RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 257 , रविवार, 01 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

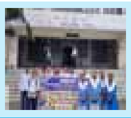
पॉलिटेक्निक भ्रमण में बच्चों ने देखी तकनीक की दुनिया 03

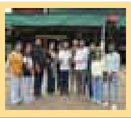
राष्ट्रीय एकता शिविर में एलएनडी कॉलेज का डंका, अभिषेक ने दिलाया बिहार को गौरव... 04

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल की मुख्य प्रस्तोता बनी सामंथा रुथ प्रभु 07

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज में हमले का नया तरीका, जहाज पर चिपकाया बम

● धमाके से इंजन रूम जला,27 भारतीय मौजूद थे,सभी सुरक्षित

ओमान (एजेंसी)। होर्मुज में गुरुवार को 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर लुईस 1 पर हमला हुआ। पनामा के झंडे वाले इस टैंकर के पास एक छोटी नाव पहुंची थी। नाव से आए लोगों ने जहाज के बाहरी हिस्से (हुल) पर दो

लिम्पेट माइंस चिपका दीं और वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोनों विस्फोटकों में धमाका हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लग गई। इसकी वजह से जहाज का इंजन कुछ समय के लिए बंद हो गया। हालांकि, क्रू ने आग पर काबू पा लिया और जहाज को सुरक्षित कर लिया। हमले के पीछे किसका हाथ है, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि जहाज पर सवार सभी 27 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। किसी को चोट नहीं आई है।

पटना स्नातक चुनाव में दिखा निशांत कुमार का दम!

● जेडीयू में उभरा नया नेतृत्व, पार्टी के लिए साबित हुए 'ट्रम्प कार्ड'

पटना (एजेंसी)। बिहार में आठ सीटों के लिए संपन्न एमएलसी चुनाव के परिणाम चाहे जिसके पक्ष में आए हो, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के पुत्र और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार इस चुनाव के दौरान जिस लिटमस टेस्ट में शामिल हुए, उसमें उन्हें कमोबेश सफलता तो मिल गई। खास कर पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को जिस तरह से जदयू के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बना डाला वो

एक चुनौती तो थी। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव पर जब जनता दल यू की गुटबाजी की छाया पड़ गई तो प्रथम दृष्टि में लगा कि ये सीट कहीं गुटबाजी की भेंट न चढ़ जाए। ठीक ऐसे समय में निशांत कुमार ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की जिम्मेवारी ली। पिता नीतिश कुमार का आशीर्वाद लिया। और पहली चुनावी यात्रा नालंदा, नवादा से शुरू की थी। साथ में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को लेकर जन संपर्क स्थापित किया।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने की निधि राजदान से शादी

● उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया पर साझा की तस्वीरें

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पत्रकार निधि राजदान को जीवनसाथी चुना है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर तीन तस्वीरें साझा करके अपने रिश्ते का ऐलान कर दिया है। उमर अब्दुल्ला का पहली पत्नी पायल नाथ से तलाक हो चुका है। जुलाई, 2026 को उमर अब्दुल्ला और पायल नाथ के तलाक पर मुहर लगी थी। उमर अब्दुल्ला ने आज दिल्ली में रिसेप्शन रखा है। अब्दुल्ला ने लिखा है कि 30 अक्टूबर को एक नई यात्रा का शुभारंभ हुआ। उन्होंने रिश्ते का ऐलान करते हुए निधि राजदान को एक्स पर टैग किया है। निधि राजदान का जन्म 11 अप्रैल 1977 को हुआ था। उनकी उम्र लगभग 49 साल है। उनके पति नीलेश मिश्रा थे,जो एक प्रसिद्ध पत्रकार और लेखक हैं।

95 साल बाद जनगणना में पूछी जाएगी आपकी जाति

● यूपी और पंजाब समेत 5 चुनावी राज्यों में फिलहाल नहीं ● बाकी देश में 25 जनवरी से 28 फरवरी तक जनगणना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जनगणना का दूसरा फेज 25 जनवरी 2027 से शुरू होगा, जो 28 फरवरी तक चलेगा। इस बार 40 सवाल पूछे जाएंगे। जनगणना का घरों की गिनती का पहला फेज जून 2026 में पूरा हो चुका है। बड़ी बात ये कि 95 साल बाद यानी 1931 के बाद पहली बार देश में जाति की गिनती हो रही है। 5 राज्यों मणिपुर, गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड को छोड़कर पूरे देश में जनगणना होगी। इन राज्यों में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। बर्फबारी वाले क्षेत्रों- लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भी जनगणना नहीं होगी। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक 10 से 24 जनवरी 2027 तक आप खुद पोर्टल पर डेटा भर सकते हैं। ये भारत की पहली डिजिटल जनगणना है। रेफरेंस डेट 1 मार्च 2027 को रात 12 बजे होगी।

इन राज्यों में जनवरी-फरवरी में जनगणना नहीं

मणिपुर में जातीय हिंसा की वजह से हालात अभी सामान्य नहीं है। इसलिए मणिपुर की जनगणना अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई है। गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं, इसलिए स्टाफ चुनाव में लगेगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश के बर्फ वाले इलाके जैसे लाहौल-स्पीति, किन्नौर के ऊंचे इलाके। यहां बर्फबारी के चलते रास्ते बंद हो जाते हैं। यहां सितंबर-अक्टूबर में हो सकती है। गृह मंत्रालय के तहत रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया यह जनगणना कराएगा।

जनगणना के लिए 11,718 करोड़ का बजट मंजूर

केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 के लिए 11,718.24 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी है। जनगणना पूरे देश में केंद्र के समन्वय से होगी। राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारें इसके क्रियान्वयन में मदद करेंगी। जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। डेटा डिजिटल माध्यम से दर्ज किया जाएगा और लोगों को खुद अपनी जानकारी देने यानी सेल्फ-एन्यूमरेशन का विकल्प भी मिलेगा। जनगणना की कानूनी प्रक्रिया सेंसस एक्ट, 1948 और सेंसस रूल्स, 1990 के तहत होगी। केंद्र के मुताबिक, लोगों की दी गई व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। सेंसस एक्ट की धारा 15 के तहत इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, आरटीआई के तहत नहीं दिया जा सकता और किसी कोर्ट में सबूत के तौर पर भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जनगणना पहले 2021 में होने वाली थी।

सीईसी को हटाएं और एसआईआर तुरंत रोकें

● खरगे के आवास 'मॉक संसद', सीईसी पर लगाए 6 आरोप ● कहा-संसद की अनुमति के बिना फॉर्म-6 बदला,वोटर हटाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण में अनियमितताओं और चुनाव आयोग के आंतरिक फैसलों को लेकर उठे विवाद के बीच इंडी गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आज यानी शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक प्रतीकात्मक जन महाभियोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने किया। इंडी गठबंधन की यह बैठक रामलीला मैदान में विपक्ष की प्रस्तावित दिल्ली चलो रैली से ठीक एक दिन पहले उठाया गया है, जहां विपक्षी दल सीईसी के इस्तीफे की मांग को पुरजोर तरीके से उठाने की तैयारी में है। दरअसल, इंडी गठबंधन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर मॉक संसद बुलाई है। यह मॉक संसद रामलीला मैदान में विपक्ष की

प्रस्तावित दिल्ली चलो रैली से ठीक एक दिन पहले उठाया गया है, जहां विपक्षी दल सीईसी के इस्तीफे की मांग को पुरजोर तरीके से उठाने की तैयारी में थे। पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार बतौर अध्यक्ष ने इस मॉक सत्र की शुरुआत की। मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम को विपक्ष ने 'जन महाभियोग' नाम दिया है। आयोजन के जरिए विपक्ष कथित वोट चोरी और वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर अपनी आपत्तियां उठाएगा।

हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा...

मीरा कुमार ने कहा, हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका समेत दुनिया भर के देश हमारी ओर देखते हैं और हमारे लोकतांत्रिक मॉडल का अनुसरण करते हैं। हमारा लोकतंत्र चुनावों की शक्ति से चलता है, और इस चुनावी शक्ति के केंद्र में मतदाता की आत्मा बसती है। पूरी चुनावी प्रक्रिया में मतदाता ही केंद्र-बिंदु होता है। यदि किसी एक मतदाता को भी वोट डालने के अधिकार से वंचित किया जाता है, तो यह हमारे लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार है। किसी को वोट डालने से रोकना हमारे लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाता है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा,सीईसी ने रातों-रात एसआईआर की घोषणा कर दी। इसे पूरे देश में लागू किया गया, जिसका असल मकसद बीजेपी के विरोधियों के वोट हटाना था। मोदी सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए बाहरी लोगों और घुसपैठियों का बहाना ले रही है। उनका आरोप है कि हम घुसपैठियों को शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं है, हम तो बस असली और वैध मतदाताओं के नाम बने रहने की वकालत कर रहे हैं। हम ऐसा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कर रहे हैं। हमारी मांग है सीईसी को तत्काल पद से हटाकर 2023 का कानून रद हो।

आशुतोष दीक्षित ने संभाल लिया 'वायु सेना प्रमुख' का कार्यभार

तीन प्रमुख सैन्य ऑपरेशनों में दिखा चुके हैं अपनी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 31 अक्टूबर 2026 को 29वें वायु सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का स्थान लिया है, जो देश की 42 वर्षों की शानदार सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। आशुतोष दीक्षित का पिछले 40 वर्षों में दमदार करियर रहा है। तीन प्रमुख सैन्य अभियानों में दमदार भूमिका निभाने के साथ आशुतोष दीक्षित को अलग-अलग तरह के विमानों को उड़ाने का 3300 घंटे से अधिक का अनुभव है। वह वायु सेना के अधिकारियों के बीच समन्वय बनाने के लिए जाने जाते हैं।

तीन प्रमुख सैन्य अभियानों में निभा चुके अपनी भूमिका

कारगिल युद्ध के दौरान वायुसेना के ऑपरेशन सफेद सागर में अहम भूमिका निभा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन रक्षक में अहम भूमिका निभा चुके हैं। पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने पिछले चार दशकों के अपने करियर के दौरान, एयर चीफ को ऑपरेशंस (संचालन), फ्लाइट टेस्टिंग, क्षमता विकास और जॉइंट स्टाफ असाइनमेंट जैसे विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ है।

राहुल गांधी के दौरे से पहले 'पंजाब' विस चुनाव पर मंथन

● दिल्ली में कांग्रेस की हाई-लेवल मीटिंग,दिग्गज नेता जुटे!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सत्ता के गलियारों में सियासी गर्मी बढ़ती जा रही है। जहां एक तरफ बीजेपी और कांग्रेस पंजाब में सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साध रही है, वहीं सूबे के सीएम भगवंत मान जोरदार पलटवार करते नजर आ रहे हैं। इस बीच कांग्रेस ने लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दौरे से पहले हाई लेवल मीटिंग की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मीटिंग की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि पंजाब एक निर्णायक बदलाव और एक नई, परिवर्तनकारी शुरुआत के लिए तरस रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे लिखा कि आम आदमी पार्टी ने लोगों के भरोसे को तोड़ा है। उनके बड़े-बड़े वादों की जगह अब विफल शासन, भ्रष्टाचार, नशे की समस्या, बढ़ती असुरक्षा और टूटी हुई उम्मीदों ने ले ली है।

हरियाणा और आंध्र में दिल दहलाने वाली वारदात

● पंचकूला में केजी की बच्ची के सिर पर 12 बार ईंट मारी

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला के एक प्रसिद्ध स्कूल में केजी की छात्रा पर तीसरी कक्षा के छात्र ने बेरहमी से हमला कर दिया। छात्र ने बच्ची का सिर पहले बेंच पर मारा, फिर 19 बार पैर से उसके चेहरे पर लात-घूसों से वार किया। उसके बाल पकड़कर घसीटा। बाद में ईंट से 12 बार बच्ची के सिर पर हमला किया। 96 सेकेंड तक लगातार बच्ची को बेरहमी से पीटे जाने की घटना क्लास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मारपीट के दृश्य बेहद विचलित करने वाले हैं। फुटेज देखकर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने भी कहा इसे पूरा देखना भी मुश्किल है। उन्होंने मामले की जांच के लिए कमेटी गठित करने को कहा है।

आंध्र में 10वीं की छात्राओं पर काटने वाली आरी से हमला

अनंतपुर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में शनिवार को स्कूल की क्लास के अंदर 10वीं की छात्रा पर पावर चेनसॉ (बिजली से चलने वाली आरी) से हमला किया गया। यह वारदात सुबह 10 बजे की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में छात्रा का दायां हाथ कट गया और चेहरे, गर्दन और कान पर गंभीर चोटें आईं। उसे बचाने पहुंची दूसरी छात्रा भी घायल हो गई। एक छात्रा की हालत सीरियस है। हमले की वजह अभी सामने नहीं आई है। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। आरोपी पीड़ित का रिश्तेदार है। गार्ड्स ने मजदूर समझकर स्कूल में एंट्री दी थी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्लास में पढ़ाई चल रही थी। तभी आरोपी हेमंत उर्फ डुम्मू वहां पहुंचा और छात्रा पर हमला कर दिया।

यूपी में बुलेट ट्रेन चलेगी, 3.30 घंटे में दिल्ली पहुंचेगी

● काशी में रेलमंत्री का ऐलान,पीएम ने दी कॉरिडोर को मंजूरी

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी में बुलेट ट्रेन का प्रोजेक्ट भी जल्द शुरू होगा। दिल्ली-वाराणसी-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मंजूरी मिल गई है। यह बात रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वाराणसी में बताई। रेलमंत्री ने बताया कि पीएम मोदी ने इसके नॉर्दर्न कॉरिडोर को मंजूरी दी है। यह ट्रेन दिल्ली से चलकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या होते हुए वाराणसी पहुंचेगी। इसके बाद पटना होते हुए गुवाहाटी तक जाएगी। कॉरिडोर

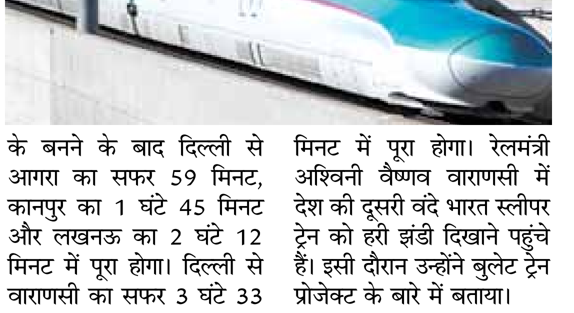

के बनने के बाद दिल्ली से आगरा का सफर 59 मिनट, कानपुर का 1 घंटे 45 मिनट और लखनऊ का 2 घंटे 12 मिनट में पूरा होगा। दिल्ली से वाराणसी का सफर 3 घंटे 33 मिनट में पूरा होगा। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव वाराणसी में देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाने पहुंचे हैं। इसी दौरान उन्होंने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के बारे में बताया।

सिग्नेचर ब्रिज को 'नमो ब्रिज' नाम से संबोधित किया

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शनिवार को विकास कार्यों का जायजा लेने वाराणसी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने काशी रेलवे स्टेशन को मॉडल स्टेशन के रूप में विकसित करने के काम का निरीक्षण किया। साथ ही गंगा नदी पर बन रहे सिग्नेचर ब्रिज के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। रेल मंत्री ने इस ब्रिज को 'नमो ब्रिज' नाम से संबोधित किया। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के उद्घाटन से पहले रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने सिग्नेचर ब्रिज कंस्ट्रक्शन साइट का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बनारस से दिल्ली को जोड़ने के लिए आज वंदे भारत स्लीपर बहुत ही मेहनत के साथ, बहुत ही ध्यान रख के बनाई गई ट्रेन है।

काशी को दो नई मेमू ट्रेनों की भी सौगात

वंदे भारत स्लीपर के साथ वाराणसी क्षेत्र को दो नई रेल सेवाओं की भी सौगात मिलेगी। वाराणसी सिटी से राजातालाब के बीच चार जोड़ी मेमू ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इन ट्रेनों में 12 कोच होंगे। रास्ते में वाराणसी जंक्शन, बनारस, भुलनपुर और हरदत्तपुर स्टेशन पर ठहराव होगा। इससे दैनिक यात्रियों, छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को फायदा मिलेगा। इसके अलावा बनारस से प्रयागराज रामबाग के बीच मेमू सेवा को आगे बढ़ाने की योजना है। इससे दोनों धार्मिक और शैक्षिक शहरों के बीच आवागमन आसान होगा। इन नई सेवाओं से काशी की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ स्थानीय यात्रियों को भी राहत मिलने की उम्मीद है। ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा के लिए कई आधुनिक इंतजाम किए गए हैं।

फर्स्ट एसी में शॉवर,विमान जैसी सुविधाओं का अनुभव

ट्रेन के फर्स्ट एसी कोच में यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं दी गई हैं। यहां बर्थ और केबिन का इंटीरियर ज्यादा लग्जरी रखा गया है। फर्स्ट एसी के बाथरूम में शॉवर की सुविधा भी मिलेगी। सभी कोच में इंडियन और वेस्टर्न स्टाइल के बायो टॉयलेट लगाए गए हैं। यात्रियों को सफर के दौरान साफ-सफाई और आराम का बेहतर अनुभव देने की कोशिश की गई है। इस ट्रेन की सबसे खास व्यवस्था यह है कि इसमें पारंपरिक ट्रेनों की तरह एसी और वेटिंग टिकट की सुविधा नहीं होगी। केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्री ही सफर कर सकेंगे। इससे कोच में निर्धारित क्षमता से अधिक भीड़ नहीं होगी। यात्रियों को अपनी बर्थ पर आराम से सोने और सामान रखने की सुविधा मिलेगी।

गंगा जल समझौते का भी विरोध,विपक्ष हुआ लामबंद

बांग्लादेश में भारत के ट्रांजिट कॉरिडोर का विरोध

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में भारत के ट्रांजिट कॉरिडोर का विरोध हो रहा है। विपक्षी नेता नाहिद इस्लाम ने शुक्रवार को ढाका में एक रैली के दौरान आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार बांग्लादेश में भारत को ट्रांजिट कॉरिडोर देने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की जमीन भारत को नहीं दी जाएगी। ट्रांजिट कॉरिडोर का मतलब एक देश की जमीन और सड़क का इस्तेमाल करके दूसरे देश के किसी हिस्से तक सामान पहुंचाना है। इससे दूरी और सामान पहुंचाने में लगने वाला समय कम हो सकता है। नाहिद ने गंगा जल समझौते को लेकर भी सरकार से सख्त रुख अपनाने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर समझौते को नए सिरे से करते समय बांग्लादेश के हितों का ध्यान नहीं रखा गया, तो लोग इसके विरोध में सड़कों पर उतरेंगे।

नाहिद इस्लाम की रैली में भारत विरोधी नारे भी लगे

नेशनल सिटिजन पार्टी के नेता नाहिद इस्लाम की अगुआई में तारिक रहमान सरकार के खिलाफ ढाका में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन भी हुआ। प्रदर्शनकारी बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और पेट्रोल-डीजल व गैस की कमी से नाराज थे। उन्होंने गृह मंत्री और ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने भारत विरोधी नारे भी लगाए। रैली में 'दिल्ली नहीं, ढाका ढाका' के नारे लगाए गए। दरअसल, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान 26 से 29 अक्टूबर तक जापान के दौरे पर थे। इस दौरान जापान और बांग्लादेश के बीच बंगाल की खाड़ी के आसपास व्यापार और आवाजाही बढ़ाने पर सहमति बनी। जापान बांग्लादेश में मातरबाड़ी नाम का एक बड़ा बंदरगाह भी बना रहा है। इसके जरिए समुद्र के रास्ते सामान लाने-ले जाने की सुविधा बढ़ेगी। जापान की एक योजना के मुताबिक, इस बंदरगाह को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

सोनपुर-बरौनी और बरौनी-मुंगेर रेलखंड का निरीक्षण, 3 स्टेशनों और मुंगेर रेल पुल का लिया जायजा

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन ने शनिवार को सोनपुर-बरौनी और बरौनी-मुंगेर रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सोनपुर स्टेशन, सबदलपुर जंक्शन और मुंगेर रेल पुल की स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान अमित सरन ने रेल परिचालन, संरक्षा व्यवस्था और यात्री सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने ट्रेनों के सुरक्षित और सुचारु परिचालन से जुड़े पहलुओं का भी जायजा लिया। उन्होंने रेलवे की संपत्तियों के रखरखाव और संरक्षा मानकों के पालन की स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान सुरक्षित, सुचारु और समय पर रेल परिचालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। रेलवे के अनुसार, ऐसे निरीक्षणों का उद्देश्य संरक्षा व्यवस्था मजबूत करना, रेल संपत्तियों का बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करना और यात्रियों को सुरक्षित व सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के जरिए व्यवस्थाओं में मौजूद कमियों की पहचान की जाती है।

हाजीपुर में बच्चों को बताए गए शिक्षा-स्वास्थ्य के अधिकार, कुतुबपुर एकारा स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

हाजीपुर। हाजीपुर के सदर प्रखंड स्थित उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुतुबपुर एकारा में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सम्मान, संरक्षण और विकास के अधिकारों की जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह, बाल श्रम, हिंसा और शोषण से बचाव के तरीके बताए गए। स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने कहा कि सुरक्षित बचपन सशक्त भारत की नींव है। सुरक्षित माहौल, अच्छी शिक्षा और अधिकारों की जानकारी मिलने से बच्चे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। डॉ. शुक्ला ने बच्चों से कहा कि किसी परेशानी, खतरे या शोषण की स्थिति में चुप नहीं रहना चाहिए। इसकी जानकारी माता-पिता, शिक्षक या किसी भरोसेमंद व्यक्ति को देनी चाहिए। प्रधानाचार्य प्रवीण चंद्रा ने बच्चों को सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श, व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और बाल शोषण से बचाव के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि किसी अनुचित घटना को छिपाने के बजाय इसकी जानकारी भरोसेमंद व्यक्ति को देना जरूरी है। पैनल अधिवक्ता कर्मवीर श्रीवास्तव और अधिकार मित्र संतोष कुमार ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं है। विद्यालय, समाज, प्रशासन और हर नागरिक को मिलकर बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करना होगा। कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष आनंद नंदन सिंह और प्राधिकार की सचिव रितु कुमारी के निर्देश पर आयोजित किया गया। इसमें स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन ने सहयोग किया। अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रवीण चंद्रा ने की, जबकि संचालन संतोष कुमार ने किया। कार्यक्रम में चाइल्डलाइन के सुमन कुमार, पीएलवी अखिलेश कुमार, शुभम कुमार, शिक्षक आशीष रंजन, रंभा मिश्रा, रंजन कुमार और तरुण कुमार शर्मा सहित अन्य शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। अंत में बच्चों और शिक्षकों ने बाल अधिकारों का सम्मान करने और सुरक्षित बचपन के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

पुलिस ने निकाली सद्भावना दौड़, सरदार पटेल की जयंती पर दौड़े अधिकारी और जवान

हाजीपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस पर शनिवार को वैशाली पुलिस ने सद्भावना दौड़ निकाली। पुलिस अधिकारी और जवान पुलिस केंद्र, हाजीपुर से रामाशीष चौक तक दौड़े। वरीय पुलिस अधीक्षक, वैशाली के आदेश पर पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) के नेतृत्व में दौड़ का आयोजन किया गया। इसमें पुलिस केंद्र के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम में देश के पहले उप प्रधानमंत्री सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया गया। पुलिसकर्मियों ने उनकी सोच और आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। दौड़ के जरिए राष्ट्रीय एकता, अखंडता, आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। वैशाली पुलिस ने एकता और सद्भावना बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई।

हथियार लहराने का वीडियो वायरल होने पर युवक गिरफ्तार, पुलिस ने घर से देसी कट्टा और जिंदा कारतूस जब्त किए

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र के सैदपुर बिलंदपुर गांव में हथियार लहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने अमोद कुमार राय को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके घर से देसी कट्टा और जिंदा कारतूस जब्त किए। अमोद कुमार राय गांव के ही अकलू राय का बेटा है। महुआ एसडीपीओ पोलसत कुमार के अनुसार, वायरल वीडियो में एक व्यक्ति कथित तौर पर अवैध हथियार लहराता दिख रहा था। वरीय अधिकारियों को जानकारी मिलने के बाद एसएसपी के निर्देश पर वीडियो की जांच कराई गई। जांच में हथियार लहराने की बात सामने आने पर पुलिस ने युवक की पहचान की और उसके घर पर छापा मारा। पुलिस के अनुसार, घर से मिला देसी कट्टा गैर लाइसेंसी है। पुलिस अमोद कुमार राय से पूछताछ कर रही है और उसके आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी जुटा रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सिलचर से हेरोइन लाकर सप्लाई करने वाले 3 तस्कर गिरफ्तार पुलिस ने 13.30 ग्राम स्मैक-हेरोइन और 2 मोबाइल जब्त किए

हाजीपुर। वैशाली में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन नीलकंठ के तहत राजापाकर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 13.30 ग्राम स्मैक-हेरोइन और दो मोबाइल जब्त किए। पुलिस के मुताबिक, तीनों सिलचर से मादक पदार्थ लाकर वैशाली जिले के अलग-अलग इलाकों में सप्लाई करते थे। 30 अक्टूबर को मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, पटना से राजापाकर पुलिस को सूचना मिली कि कुछ तस्कर सिलचर से हेरोइन लेकर इलाके में पहुंचने वाले हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर राजापाकर थानाध्यक्ष ने पुलिस टीम के साथ गछगरा चंवर गाछी में छापा मारा। वहां से तीनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने सिलचर से मादक पदार्थ लाकर जिले के अलग-अलग इलाकों में बेचने की बात बताई। उन्होंने गिरोह के अन्य सदस्यों के नाम भी बताए। पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों को पकड़ने की कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तार लोगों में राजापाकर दक्षिण शनिचरा चौक निवासी सौरभ कुमार और आयुष कुमार, और बैकुंठपुर निवासी उपेंद्र कुमार शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, सौरभ कुमार का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड है। उसके खिलाफ राजापाकर थाने में चोरी का मामला दर्ज है। इसका केस नंबर 152/22 है। इस मामले में राजापाकर थाने में केस नंबर 442/26 दर्ज किया गया है। तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

पटना में 4 युवक गिरफ्तार, 35 जिंदा कारतूस-पिस्टल बरामद

एजेंसी, पटना

पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र स्थित बाबा चौक से पुलिस ने चार युवकों को हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 35 जिंदा कारतूस, 70 खाली खोखे, एक पिस्टल और अन्य हथियार बरामद किया गया है। आरोपियों के पास से पत्रकार का आईडी कार्ड भी बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार युवक राजीव नगर, दीघा और पाटलिपुत्र इलाके में सक्रिय अलग-अलग भू-माफियाओं के लिए काम करते थे।

आरा, दीघा, मुजफ्फरपुर और मनेर के रहने वाले हैं आरोपी: गिरफ्तार युवकों की पहचान शिवम सिंह (आरा), विवेक कुमार (दीघा के बालू पर), अर्पित सिंह (मुजफ्फरपुर) और अनिल कुमार उर्फ गोलू (मनेर) के रूप में हुई है। अनिल कुमार की

बाबा चौक पर दुकान भी है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कई भू-माफियाओं के नाम बताए हैं। पुलिस अब इन नामों के आधार पर पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है।

पत्रकार पर भी लगाए गए आरोप: पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में एक पत्रकार का नाम भी सामने आया है। उसके खिलाफ पाटलिपुत्र थाने में शिकायत दर्ज कराए जाने की बात कही गई है। आरोप है कि संबंधित पत्रकार 33 प्रतिशत कमीशन लेकर पुलिस और प्रशासन को मैनेज करने का काम करता था। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई

❑ भू-माफियाओं के लिए काम करने का आरोप, 33 प्रतिशत मिलता था कमीशन

है और शिकायत दर्ज होना अपने आप में अपराध साबित होना नहीं है। वहीं, अर्पित सिंह पर प्रेस और इंडियन आर्मी के फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में करने का आरोप है। पुलिस इन आरोपों की जांच कर रही है।

राजीव नगर में चार कट्ठे के प्लॉट को लेकर विवाद: इस मामले का संबंध राजीव नगर रोड नंबर 18 में चार कट्ठे के एक प्लॉट को लेकर हुए विवाद से भी बताया जा रहा है। हाल में प्लॉट की दीवार तोड़ने को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि शिवम सिंह और विवेक कुमार ने पंकज शर्मा के घर पर पिस्टल लहराई थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की बात भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि दीवार तोड़ने के लिए 20 हजार रुपये एडवांस दिए गए थे। पुलिस इस विवाद और गिरफ्तार युवकों की भूमिका के बीच संबंधों की जांच कर रही है।

पिस्टल दिखाकर 5 लाख रंगदारी मांगने के आरोप: सेंट्रल एसपी चंद्र प्रकाश ने बताया, 'आरती कुमारी के आवेदन पर शिकायत दर्ज हुई थी। आरोप था कि विवेक कुमार और शिवम सिंह ने उनके घर पर आकर पिस्टल का भय दिखाकर 5 लाख रूपये की रंगदारी मांगी है। इसके आधार पर कार्रवाई हुई। आरोपी पकड़े गए हैं। इनके पास से रिवॉल्वर 1, पिस्टल मैगजीन लोडेड 1, एयर गन 1, कारतूस 31, खोखा 70, पिस्टल का कवर 1, मोबाइल फोन 4, भारतीय थल सेना का आईडी कार्ड मिले हैं।'

अर्नब का असर- पटना में मूसलाधार बारिश,13 जिलों में अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में चक्रवात अर्नब के कारण बारिश का सिलसिला जारी है। सुबह से पटना में बादल छाए थे। दोपहर होते-होते मूसलाधार बारिश शुरू हो गई है। वहीं गोपालगंज-बेतिया, बगहा, अररिया, रक्सौल में बारिश है। आज मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में 13 जिलों में भारी बारिश, वज्रपात और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अलर्ट जारी किया है। 30kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक, 1 नवंबर को भी कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। ऐसे में राज्य के सभी जिलों में एक साथ मौसम साफ होने की उम्मीद नहीं है।

हालांकि साइक्लोन का असर अब कमजोर पड़ने की संभावना है। प्रदेश में पिछले 3 दिनों से हो रही बारिश के बाद अब मौसम में बदलाव होगा।

पिछले 24 घंटे में पटना सहित 10 जिलों में दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रही। मूसलाधार बारिश से दिन का तापमान सामान्य से 5 से 7 डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया है। पटना में शुक्रवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 8.3 डिग्री कम होकर 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सुबह तक शहर में 32 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बेमौसम बारिश की वजह से धान, गन्ना, आलू और सब्जियों को भारी नुकसान पहुंचा है। फेस्टिव सीजन में बाजार में सन्नाटा है, जिससे कारोबारियों को भी नुकसान हुआ है।

नीरज के बदले तेवर, ललन सिंह को बताया बड़ा नेता

एजेंसी, पटना

बिहार की सियासत में मोकामा विधायक अनंत सिंह सुर्खियों में हैं। राजद नेता दुलारचंद की हत्या केस में सुप्रीम कोर्ट ने 1 दिसंबर को सरेंडर करने को कहा है। फैसले के बाद अनंत सिंह के सोशल मीडिया पोस्ट की चर्चा हो रही है। दरअसल, मोकामा विधायक ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, गरीब-गुरबा पर अत्याचार नहीं सहेंगे छोटे सरकार। इसके साथ उन्होंने अपनी फोटो भी लगाई है।

वही शुक्रवार को दो पोस्ट किए, एक में वीडियो के साथ जय जनता मालिक, जनसेवा सर्वोपरि और दूसरे में लिखा, 'हम न कल झुके थे, न आज झुकेंगे'। ऐसे पोस्ट के सियासी मायने लगाए जा रहे हैं। इधर, जदयू एमएलसी नीरज कुमार के तेवर नरम दिख रहे हैं। शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने ललन सिंह को जदूय का वरिष्ठ नेता बताया और

कहा इसलिए वो केंद्र में मंत्री भी हैं।

दूसरी ओर नीरज कुमार-अनंत सिंह के बीच जुबानी जंग जारी है। दुलारचंद यादव हत्याकांड को लेकर दोनों नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। एक मीडिया हाउस से बात करते हुए नीरज कुमार ने अनंत सिंह को 'अस्त्रहीन आदमी' बताया है। अनंत सिंह के सोशल मीडिया अकाउंट से साझा की गई पोस्ट में उनकी तस्वीर के साथ लिखा गया है, 'गरीब-गुरबों पर अत्याचार नहीं सहेंगे छोटे सरकार।'

पोस्ट के संदेश में गरीब और कमजोर लोगों के साथ खड़े रहने की बात कही गई है।

निर्दलीय दो एमएलसी बीजेपी में शामिल

एजेंसी, पटना

विधान परिषद चुनाव के नतीजे आने के बाद बड़ा उलटफेर हुआ है। तिरहुत स्नातक से दो बार निर्दलीय चुनाव जीतने वाले बंशीधर ब्रजवासी और सारण शिक्षक से निर्दलयी चुनाव जीतने वाले राहुल राज ने शनिवार को बीजेपी की सदस्यता ले ली। उन्होंने बिहार बीजेपी के प्रदेश प्रभारी की मौजूदगी में सदस्यता ग्राहण की है। चुनाव जीतने के बाद ही उन्होंने इस बात के संकेत दे दिए थे। दोनों नेता जिस सीट से जीते हैं, वहां NDA की तरफ से JDU के कैंडिडेट चुनाव लड़ रहे थे। राहुल राज ने JDU के आनंद पुष्कर को चुनाव हराया है तो बंशीधर ब्रजवासी ने अभिषेक झा को हराया है। इनकी जॉइनिंग के बाद अब 8 सीटों में 4 सीटें बीजेपी के हिस्से हो गई है। वहीं JDU मात्र एक सीट पर सिमट गई है।

शिक्षक आंदोलन से मिली बंशीधर की पहचान: बंशीधर

ब्रजवासी ने शिक्षकों की मांगों को लेकर कई आंदोलनों में भूमिका निभाई। वे परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ, बिहार के प्रदेश अध्यक्ष बने। नियोजित शिक्षकों को समान काम के बदले समान वेतन और राज्यकर्मी का दर्जा दिलाने जैसी मांगों को लेकर उन्होंने आवाज उठाई। शिक्षकों के बीच सक्रियता के कारण उनकी पहचान बिहार के शिक्षक संगठनों में मजबूत हुई। धीरे-धीरे वे शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर मुखर नेता के रूप में सामने आए।

निर्दलीय लड़कर जेडीयू उम्मीदवार को हराया: तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव

♦ बंशीधर ने जदयू प्रत्याशी को हराया

में बंशीधर ब्रजवासी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे। उन्होंने जेडीयू के अभिषेक झा को हराकर जीत दर्ज की। इस परिणाम ने चुनाव में उनकी व्यक्तिगत पकड़ और शिक्षक वर्ग के बीच उनकी पहचान को चर्चा में ला दिया। अब भाजपा में शामिल होने के बाद उनकी राजनीतिक भूमिका और पार्टी में जिम्मेदारी को लेकर नजरें रहेंगी।

राहुल राज पहली बार चुनाव लड़े और जीते: सारण शिक्षक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी डॉ. राहुल राज ने जेडीयू के आनंद पुष्कर को हराया है। वह पहली बार MLC चुनाव लड़े और जीते हैं। राजपूत जाति से आने वाले राहुल पीएचडी होल्डर और वीआईपी कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। राहुल राज स्कूल-कॉलेज चलाते हैं। इसके साथ ही दूसरे कारोबार भी संभालते हैं। उनके पिता का नाम विपिन सिंह है। सारण जिले के रिविलगंज प्रखंड के मुकरेड़ा गांव के रहने वाले राहुल बीजेपी प्रदेश कार्य समिति के सदस्य के साथ-साथ रिविलगंज ब्लॉक प्रमुख भी हैं।

जीत के बाद राहुल राज ने सोशल मीडिया पर किया था पोस्ट: यह जीत आप सभी समर्पित साथियों, समर्थकों और मतदाताओं के विश्वास की जीत है। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद (MLC) चुनाव में मिली इस ऐतिहासिक जीत के लिए मैं आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। आप सभी ने दिन-रात मेहनत की, हर परिस्थिति में मेरा साथ दिया और अपने विश्वास, स्नेह एवं समर्पण से इस जीत को संभव बनाया। यह जीत केवल मेरी नहीं, बल्कि आप सभी की जीत है। सारण से चंपारण तक के सभी सम्मानित गुरुजनों का विश्वास, स्नेह और आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का एथलेटिक्स ट्रैक होगा आधुनिक, 400 मीटर का 8 लेन वाला सिंथेटिक ट्रैक बनेगा

एजेंसी, पटना

पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एथलेटिक्स ट्रैक और नेचुरल ग्रास ग्राउंड का जीर्णोद्धार किया जाएगा। खेल विभाग, बिहार सरकार और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से परिसर के खेल बुनियादी ढांचे को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने की योजना है। इसके तहत एथलेटिक्स ट्रैक का पुनर्निर्माण और प्राकृतिक घास वाले मैदान का आधुनिकीकरण किया जाएगा।

आठ लेन का सिंथेटिक ट्रैक बनेगा: परियोजना के तहत 400 मीटर लंबा आठ लेन वाला सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक तैयार किया जाएगा। इसके लिए मौजूदा सिंथेटिक सतह को हटाकर पुरानी एस्फाल्ट परत की मिलिंग की जाएगी और नई एस्फाल्ट परत बिछाई जाएगी। इसके ऊपर फुल-PUR और फुल-EPDM तकनीक पर आधारित नया सिंथेटिक ट्रैक लगाया जाएगा।

वर्ल्ड एथलेटिक्स के मानकों के अनुरूप बनेगा ट्रैक: ट्रैक का निर्माण वर्ल्ड एथलेटिक्स के तकनीकी मानकों के अनुरूप

किया जाएगा। इसके लिए वर्ल्ड एथलेटिक्स क्लास-1 सर्टिफिकेशन हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। ऐसा होने पर यह बिहार का पहला सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक होगा, जिसे यह सर्टिफिकेशन मिलेगा। इसके अलावा जल निकासी के लिए नई ड्रेनेज लाइन और कलेक्शन चैंबर बनाए जाएंगे। खिलाड़ियों के लिए वर्ल्ड एथलेटिक्स के मानकों के अनुरूप नए खेल उपकरण भी लगाए जाएंगे।

नेचुरल ग्रास ग्राउंड का भी होगा कायाकल्प, लगेंगे बरमूडा घास: खेल परिसर के नेचुरल ग्रास ग्राउंड को भी नए सिरे से विकसित

❑ नेचुरल ग्रास ग्राउंड में लगेंगे बरमूडा घास

किया जाएगा। इसके लिए ग्रेवल ड्रेनेज लेयर के ऊपर उचित ढलान वाला रेत आधारित रूटजोन तैयार किया जाएगा। इसके ऊपर बरमूडा घास लगाई जाएगी। मैदान में भूमिगत ड्रेनेज पाइप बिछाए जाएंगे, ताकि बारिश या सिंचाई का पानी तेजी से निकल सके और मैदान में जलजमाव की समस्या न हो। सिंचाई के लिए आधुनिक पॉप-अप स्प्रिंकलर सिस्टम लगाया जाएगा। इससे मैदान के सभी हिस्सों में पानी का समान वितरण सुनिश्चित होगा। नई व्यवस्था से घास की जड़ों का बेहतर विकास होगा और मैदान की सतह एकसमान एवं गुणवत्तापूर्ण बनी रहेगी। इस परियोजना के पूरा होने के बाद खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं और उच्च गुणवत्ता वाली खेल सतह उपलब्ध होगी। इससे बिहार के एथलीटों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी करने में मदद मिलेगी।

उम्मीदवारों ने रखीं अपनी प्राथमिकताएं व्यक्तिगत आरोपों पर रही रोक

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी शिक्षक संघ (PUTA) चुनाव के लिए आज जय प्रकाश नारायण अनुषद भवन में प्रेसिडेंशियल और जनरल सेक्रेटरी पद के प्रत्याशियों के बीच चुनावी डिबेट का आयोजन किया गया। सभी उम्मीदवारों को अपनी प्राथमिकताएं और विचार रखने के लिए समान समय दिया गया। आचार संहिता के तहत व्यक्तिगत टिप्पणी और निराधार आरोप लगाने पर रोक थी। पूटा चुनाव के लिए अध्यक्ष पद के लिए 4 और महासचिव पद के लिए 5 प्रत्याशी मैदान में हैं। संयुक्त सचिव के 2 पदों के लिए सबसे अधिक 10 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव 4 नवंबर को होगा। चुनाव में महिला शिक्षिकाओं का मतदान नतीजों को प्रभावित कर सकता है। विश्वविद्यालय में कुल 419 शिक्षक मतदाता हैं, जिनमें 126 महिलाएं शामिल हैं। यह कुल

मतदाताओं का करीब 30 प्रतिशत है। ऐसे में अध्यक्ष, महासचिव समेत विभिन्न पदों के प्रत्याशी महिला शिक्षिकाओं का समर्थन हासिल करने के लिए संपर्क अभियान तेज कर रहे हैं। महिला मतदाताओं का रुख किस पैनल की ओर रहेगा और क्या वे निर्दलीय महिला उम्मीदवारों को प्राथमिकता देंगी, यह चुनाव के महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक होगा। पूटा चुनाव में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की चुनौतियां, शिक्षकों की पदोन्नति में देरी, वेतन विसंगतियां और कॉलेजों में बुनियादी शैक्षणिक सुविधाओं की कमी प्रमुख मुद्दे हैं।

राजकीय सम्मान के साथ दी गई आरके सिन्हा को अंतिम विदाई, बेटे ऋतुराज ने दी मुखाग्नि

एजेंसी, पटना

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता, पूर्व राज्यसभा सदस्य और एसआईएस समूह के संस्थापक डॉ. रवीन्द्र किशोर सिन्हा का शनिवार शाम पांच बजे पटना के दीघा घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी गई। उनके पुत्र और भाजपा नेता ऋतुराज सिन्हा ने मुखाग्नि दी। डॉ. सिन्हा ने शुक्रवार को नोएडा स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली थी।

अंतिम संस्कार से पहले उनका पार्थिव शरीर पटना स्थित उनके 'अन्नपूर्णा' आवास पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। यहां राजनीतिक और कारोबारी जगत की कई प्रमुख हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी ने भी आवास पहुंचकर उन्हें नमन किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने ऋतुराज सिन्हा से मुलाकात कर उन्हें

सांत्वना दी।

डॉ. सिन्हा के निधन पर राजनीतिक दलों की सीमाएं भी टूटती नजर आईं। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की पत्नी राबड़ी देवी भी उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचीं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और नित्यानंद राय, बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल, मिथिलेश तिवारी और विजय सिन्हा, विधायक संजीव चौरसिया तथा पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद सहित कई नेताओं ने उनके अंतिम दर्शन कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

डॉ. आरके सिन्हा ने राजनीति के साथ कारोबारी जगत में भी अपनी अलग पहचान बनाई थी।

बालिका शिक्षा को लेकर कार्यशाला का शुभारंभ, बिहार झारखंड की 50 से अधिक महिला आचार्य शामिल

एजेंसी, पटना

बालिका शिक्षा के माध्यम से सशक्त, स्वावलंबी, संस्कारित और विकसित राष्ट्र के निर्माण के उद्देश्य से सर्व शिक्षा सेवा न्यास की ओर से आयोजित बालिका शिक्षा कार्यशाला का शनिवार को शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का आयोजन विद्या भारती, बिहार के तत्वावधान में किया जा रहा है। इसमें बिहार और झारखंड के सरस्वती विद्या मंदिरों में कार्यरत 50 से अधिक महिला आचार्य हिस्सा ले रही हैं। उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय बालिका शिक्षा प्रमुख रेखा चूड़ासामा, बालिका शिक्षा के मार्गदर्शक अवनीश भटनागर और विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्याली राम उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रूबी ने की।

कार्यशाला का उद्देश्य बालिका शिक्षा के व्यापक स्वरूप पर विमर्श करना और बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करना है। इसके तहत शिक्षा के माध्यम से उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, स्वावलंबन और राष्ट्रबोध विकसित करने पर चर्चा की जा रही है। अवनीश भटनागर ने कहा कि बालिका शिक्षा का अर्थ केवल औपचारिक साक्षरता या शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। बालिकाओं के व्यक्तित्व का समग्र विकास, उनकी अंतर्निहित प्रतिभा को निखारना, जीवन-मूल्यों का संवर्धन और उन्हें समाज तथा राष्ट्र के प्रति दायित्वों के निर्वहन के लिए तैयार करना भी शिक्षा के महत्वपूर्ण आयाम हैं।

रेखा चूड़ासामा ने कहा कि शिक्षित, समर्थ और संस्कारित बालिका न केवल अपने परिवार को दिशा देती है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की वाहक भी बनती है। इसलिए बालिका शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना आवश्यक है। कार्यशाला की अध्यक्ष डॉ. रूबी ने बालिकाओं की वर्तमान शैक्षिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं पर चर्चा की। उन्होंने भारतीय दृष्टिकोण पर आधारित शिक्षा,

सर्व शिक्षा सेवा न्यास ने विद्या भारती के तत्वावधान में किया आयोजन- बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वावलंबन विकसित करने पर जोर

व्यक्तित्व विकास, जीवन-कौशल, आत्मरक्षा, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता जैसे विषयों पर प्रभावी प्रयास करने की आवश्यकता बताई।

आयोजकों ने विश्वास जताया कि कार्यशाला में साझा किए गए विचार और अनुभव बालिका शिक्षा के क्षेत्र में नई दृष्टि और ऊर्जा देने के साथ प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने में सहायक होंगे।

संक्षिप्त समाचार

पहाड़पुर में शराब और चोरी के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

दो लीटर चुलाई शराब, अपाची बाइक बरामद; चोरी के पुराने मामले में भी गिरफ्तारी

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के पहाड़पुर थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो प्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पहली कार्रवाई में पुलिस ने सरेया ओझा टोला से दो लीटर देशी चुलाई शराब और एक अपाची बाइक बरामद की। इस मामले में एकडेरवा निवासी राकेश साह (30) को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 30 अक्टूबर 2026 को पहाड़पुर थाना कांड संख्या 594/26 के तहत बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधन अधिनियम, 2022 की धारा 30(ए) में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसी मामले में कार्रवाई करते हुए एएसआई अरविंद कुमार यादव ने रात नौ बजे सरेया ओझा टोला से आरोपित राकेश साह को गिरफ्तार किया। वह स्व. रामसागर साह का पुत्र है और एकडेरवा गांव का निवासी है। मौके से दो लीटर देशी चुलाई शराब और एक अपाची बाइक बरामद की गई। वहीं, दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने चोरी के एक पुराने मामले में आरोपित विनय कुमार उर्फ बुधन कुमार (20) को उसके घर से गिरफ्तार किया। वह पहाड़पुर थाना क्षेत्र के इंगलिश गांव निवासी रामपृत राउत का पुत्र है। उसके खिलाफ पहाड़पुर थाना कांड संख्या 419/24, दिनांक 12 सितंबर 2024 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) में प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस ने 30 अक्टूबर को शाम 6:35 बजे एसआई जैनेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस दोनों मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

सीएम सम्राट चौधरी ने 'उपयोग पोर्टल' का किया लोकार्पण अब एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेंगी सभी शहरी सेवाएं

बीएनएम @ मोतिहारी। नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार द्वारा राष्ट्रीय शहरी डिजिटल मिशन के अंतर्गत राज्य के सभी नगर निकायों के लिए विकसित 'उपयोग पोर्टल' का लोकार्पण शनिवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर नगर निगम, मोतिहारी के कार्यालय में लोकार्पण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में नगर आयुक्त आशीष कुमार (आईएएस), महापौर प्रीति कुमारी, उप महापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद सहित नगर निगम के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। इस पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को भवन नक्शा स्वीकृति, ट्रेड लाइसेंस, प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान सहित विभिन्न शहरी सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। इससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी तथा सरकारी सेवाओं का लाभ घर बैठे प्राप्त करना आसान होगा। इस डिजिटल पहल से नगर निकायों के कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं कार्यक्षमता बढ़ेगी। साथ ही, नागरिक सेवाओं के निष्पादन में तेजी आएगी और सरकारी प्रक्रियाएं अधिक सरल एवं सुगम बनेंगी। 'उपयोग पोर्टल' बिहार के सभी नगर निकायों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे शहरी प्रशासन को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं के जागरूकता हेतु विशेष शिविरों का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, बिहार सरकार के निर्देशानुसार शनिवार को पूर्वी चंपारण जिले के सभी प्रखंडों में वृहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों द्वारा श्रमिकों को विभाग की ओर से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई तथा उन्हें योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर सत्य प्रकाश, श्रम अधीक्षक ने बताया कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना, उनके बीच जागरूकता बढ़ाना तथा योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करना है। उन्होंने श्रमिकों से अपील की कि वे स्वयं योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और अन्य श्रमिकों को भी इसके प्रति जागरूक करें, ताकि अधिक से अधिक पात्र श्रमिक सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। श्रम अधीक्षक ने विशेष रूप से बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत निबंधित वैसे श्रमिकों से अपील की, जिनके लेबर कार्ड का नवीकरण समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि ऐसे श्रमिक अपना लेबर कार्ड अविलंब नवीकरण करा लें। इसके लिए वे श्रम अधीक्षक कार्यालय, मोतिहारी अथवा अपने संबंधित प्रखंड में अवस्थित श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लेबर कार्ड का समय पर नवीकरण नहीं कराने की स्थिति में श्रमिक बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकते हैं। श्रम अधीक्षक ने जिले के सभी निबंधित निर्माण श्रमिकों से अपील की कि वे अपने लेबर कार्ड की वैधता की जांच अवश्य कर लें तथा समय रहते उसका नवीकरण कराकर विभागीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें।

ई-कचरा जागरूकता ऑनलाइन क्विज में 13,500 प्रतिभागियों को मिला डिजिटल प्रमाणपत्र

बीएनएम @ मोतिहारी। टीचर्स ऑफ बिहार के 'प्रकृति प्रहरी' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं ई-कचरे के सुरक्षित प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित ई-कचरा प्रबंधन एवं जागरूकता ऑनलाइन क्विज-2026 सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 28 से 30 अक्टूबर तक आयोजित इस क्विज में लगभग 13,500 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्हें डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। क्विज में 20 प्रश्न पूछे गए थे, जिन्हें हल करने के लिए 10 मिनट का समय निर्धारित था। इसका उद्देश्य ई-कचरे के सुरक्षित संग्रहण, पुनर्चक्रण एवं वैज्ञानिक निस्तारण के प्रति शिक्षकों, विद्यार्थियों और आम लोगों को जागरूक करना था। टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने कहा कि डिजिटल माध्यमों से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना समय की आवश्यकता है। अभियान के संयोजक अभिषेक कुमार एवं क्विज के निर्माता -सह- सहसंयोजक कुमार अभिषेक ने कहा कि 13,500 प्रतिभागियों की सहभागिता अभियान की बड़ी उपलब्धि है। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने सभी प्रतिभागियों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश विद्यालय, परिवार और समाज तक पहुँचाने तथा अपने डिजिटल प्रमाणपत्र को अभियान के आधिकारिक फेसबुक समूह में साझा करने की अपील की। टीचर्स ऑफ बिहार की इस पहल का मुख्य संदेश है कि ई-कचरे को सामान्य कचरे में न फेंकें, बल्कि उसका सुरक्षित संग्रहण कर अधिकृत केंद्रों के माध्यम से उचित निस्तारण करें।

जागरूकता के साथ जिले में चलाया जा रहा रात्रि रक्तपट संग्रह कार्यक्रम

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत निर्धारित तिथियों के अनुसार रात्रि रक्तपट संग्रह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों के साथ आईसीडीएस, जीविका, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग एवं जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग मिल रहा है। विभिन्न विभागों के समन्वय से जिले के सभी 27 प्रखंडों में कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस संबंध में जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी (डीवीडीसीओ) डॉ. निकेश कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के तहत रैंडम एवं सेंटिनल साइटों पर 20 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के रक्त के नमूने लिए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि जिले में कितने प्रतिशत लोगों के रक्त में फाइलेरिया के परजीवी मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे (एनबीएस) के दौरान जिन लोगों की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आती है, उनसे आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से संपर्क किया जाता है और निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार 13 दिनों तक दवा का सेवन कराया जाता है। वहीं, हाथीपांव से प्रभावित मरीजों का समय-समय पर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), स्वास्थ्यकर्मियों एवं सहयोगी एजेंसियों के सदस्यों द्वारा फॉलोअप किया जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में निर्धारित 25 हजार 200 लोगों के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 14 हजार से अधिक लोगों की रक्त जांच की जा चुकी है। जांच के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कुछ लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव भी पाई गई है। इसी क्रम में मधुबन प्रखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर, जितौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) जितेंद्र कुमार ने बताया कि दुलमा गांव में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम के साथ रात्रि रक्तपट संग्रह का आयोजन किया गया। इस दौरान मुखिया बेबी यादव, धनंजय कुमार यादव, आशा एवं जीविका कार्यकर्ताओं के सहयोग से घर-घर जाकर ग्रामीणों को फाइलेरिया बीमारी, इसके लक्षणों तथा रात्रि रक्त जांच के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। जागरूकता अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को जांच स्थल तक लाया गया, जहां कुल 81 लोगों का रक्तपट संग्रह किया गया। कार्यक्रम में मुखिया, वार्ड सदस्य, आंगनबाड़ी सेविका, आशा कार्यकर्ता, रोगी हितधारक मंच के सदस्य, फाइलेरिया मरीज एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

पॉलिटेक्निक भ्रमण में बच्चों ने देखी तकनीक की दुनिया

बीएनएम @ मोतिहारी

'ट्यूनिंग ऑफ स्कूल' कार्यक्रम के अंतर्गत पीयर टू लर्निंग गतिविधि के तहत पीएम श्री सर्वोदय विद्यालय, जहिंगरा के छात्र-छात्राओं ने राजकीय पॉलिटेक्निक, मोतिहारी का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं कार्यशालाओं में आधुनिक उपकरणों, मॉडलों और तकनीकी प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की। प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में नोडल शिक्षक चंदन चौधरी, कुंदन कुमार एवं नीतू कुमारी के नेतृत्व में आयोजित इस भ्रमण में पॉलिटेक्निक के जयंत कुमार ने बच्चों को विभिन्न विभागों का अवलोकन कराया। प्राध्यापकों ने इंजीनियरिंग के मूल सिद्धांतों को सरल भाषा में समझाया। वहीं, वरिष्ठ विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। विद्यार्थियों ने कहा कि प्रयोगशालाओं में प्रत्यक्ष रूप से सीखने का अनुभव काफी रोचक और ज्ञानवर्धक रहा। प्रधानाध्यापक ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण बच्चों में विज्ञान एवं तकनीक के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ अनुभव आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करते हैं। वरीय शिक्षक अब्दुल समद ने भी इस पहल की सराहना की। विद्यालय परिवार ने पॉलिटेक्निक प्रशासन एवं सहयोगी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय एकता के संकल्प के साथ 71वीं वाहिनी एसएसबी ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

बीएनएम @ मोतिहारी

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी द्वारा कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस पूरे उत्साह, उमंग एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वाहिनी मुख्यालय सहित सभी बाह्य सीमा चौकियों एवं उनके कार्यक्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय एकता शपथ ग्रहण समारोह, Run for Unity (एकता दौड़), Walkathon एवं Bike Rally सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में अधिकारियों एवं बलकर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता, संप्रभुता एवं आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने के साथ-साथ देश की एकता और अखंडता के लिए सदैव समर्पित रहने की शपथ ली। इस अवसर पर कमान्डेंट प्रफुल्ल कुमार ने अपने संबोधन में सरदार वल्लभभाई पटेल के अद्वितीय योगदान, दूरदर्शी नेतृत्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को याद करते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने बलकर्मियों को आपसी सद्भाव, भाईचारे, अनुशासन एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करने के लिए प्रेरित किया। आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया तथा राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द एवं देशभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। इस अवसर पर वाहिनी मुख्यालय एवं सभी बाह्य सीमा चौकियों के अधिकारी एवं बलकर्मी उपस्थित रहे।

खिलौने बनाने के हुनर से बदलेगी जिंदगी, पर्यवेक्षण गृह के 20 किशोरों को मिलेगा प्रशिक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

हुनरमंद बनकर आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ने की दिशा में पर्यवेक्षण गृह के 20 किशोरों ने एक नई पहल की शुरुआत की है। जन शिक्षण संस्थान, मोतिहारी की ओर से इन किशोरों के लिए सॉफ्ट टॉय मेकिंग (मुलायम खिलौने बनाने) का दो माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार से शुरू किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किशोर न्याय परिषद के प्रधान दंडाधिकारी ओमप्रकाश नारायण सिंह, सदस्य शिवानी वर्मा एवं जन शिक्षण संस्थान के निदेशक दिनेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की शुरुआत के साथ ही किशोरों में प्रशिक्षण को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर प्रधान दंडाधिकारी ओमप्रकाश नारायण सिंह ने प्रशिक्षण के उद्देश्य और इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यावसायिक प्रशिक्षण किशोरों को हुनरमंद बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करता है। इस तरह के प्रयास उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और सम्मानजनक रोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। वहीं, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक दिनेश कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद किशोर सॉफ्ट टॉय बनाने के हुनर के माध्यम से स्वरोजगार की दिशा में भी कदम बढ़ा सकते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान पूरी लगन, मेहनत और रुचि के साथ सीखने की सलाह दी, ताकि भविष्य में यह हुनर उनकी आजीविका का मजबूत आधार बन सके। गौरतलब है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की ओर से संचालित किया जा रहा है। दो माह तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में किशोरों को सॉफ्ट टॉय बनाने की विभिन्न तकनीकों, बारीकियों और व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी जाएगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किशोरों को कौशल विकास से जोड़कर आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार और बेहतर भविष्य के अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने जीवन को नई दिशा दे सकें और समाज की मुख्यधारा में सकारात्मक योगदान दे सकें। उक्त जानकारी जन शिक्षण संस्थान की कार्यक्रम पदाधिकारी मधु कुमारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

अवैध निकासी पर सख्ती, राशि लौटाने का अल्टीमेटम; मेंटेनेंस कार्यों की जांच और भवनहीन विद्यालयों के लिए 15 दिनों में भूमि चिह्नित करने का निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

शिक्षा विभाग में अवैध निकासी और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार सी.के. अनिल ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि अवैध निकासी की जांच कर शीघ्र प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। यदि किसी शिक्षक, पदाधिकारी अथवा कर्मी ने निर्धारित राशि से अधिक वेतन का उठाव किया है, तो अगले दो से तीन दिनों के भीतर अतिरिक्त राशि वापस करना सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधित लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सी.के. अनिल ने शनिवार को जिला के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार की उपस्थिति में शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं, वित्तीय अनियमितताओं, विद्यालयों की व्यवस्था एवं शैक्षणिक गुणवत्ता की विस्तार से समीक्षा की गई तथा कई आवश्यक निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान अपर मुख्य सचिव ने कहा कि गलती हो जाना अलग बात है, लेकिन जानबूझकर गलती करना गंभीर मामला है। उन्होंने निर्देश दिया कि शिक्षा विभाग में हुई किसी भी प्रकार की अवैध निकासी की गंभीरता से जांच कर जल्द से जल्द प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए। सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने प्रखंडों के शिक्षकों एवं कर्मियों को इस संबंध में आवश्यक जानकारी दें तथा अतिरिक्त वेतन की राशि निर्धारित समय सीमा के भीतर वापस कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्यालयों में कराए गए मेंटेनेंस कार्यों की भी जांच कराने का निर्देश दिया। कहा कि यदि जांच के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी सामने आती है, तो संबंधित लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि शिक्षा

व्यवस्था का मूल उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके लिए शिक्षक बच्चों के साथ अभिभावक जैसा व्यवहार करें और उन्हें पढ़ाई के प्रति निरंतर प्रोत्साहित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यालय निरीक्षण के दौरान केवल औपचारिकता पूरी न करें, बल्कि बच्चों से संवाद करें, उनकी समस्याएं जानें और उनके साथ बैठकर मध्याह्न भोजन भी ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में एक माह तक सघन 'नशामुक्त बिहार अभियान' चलाया जा रहा है। इसमें शिक्षा विभाग की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। शिक्षक एवं पदाधिकारी बच्चों तथा उनके अभिभावकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करें। विद्यालय परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, विद्यालयों में रक्तदान शिविर आयोजित करने तथा नियमित रूप से योगाभ्यास एवं व्यायाम कार्यक्रम संचालित करने का भी निर्देश दिया गया। इसके साथ ही बच्चों में नैतिक जिम्मेदारी एवं सामाजिक सरोकार की भावना विकसित करने के लिए विद्यालयों में सोशल वर्क को अनिवार्य रूप से शामिल करने पर जोर दिया गया। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आपको उस धरती पर कार्य करने का अवसर मिला है, जहां महात्मा गांधी ने कदम रखा था। इस गौरव और जिम्मेदारी का एहसास करते हुए सभी पदाधिकारियों एवं शिक्षकों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बताया कि पूर्वी चंपारण जिले में कुल 33 मॉडल विद्यालय स्थापित किए गए हैं। इन सभी विद्यालयों को एक-एक वरीय पदाधिकारी ने गोद लिया है। संबंधित पदाधिकारियों द्वारा मॉडल विद्यालयों का नियमित भ्रमण किया जा रहा है तथा वहां नियमित रूप से कक्षाएं भी संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को सप्ताह में तीन दिन विद्यालयों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। निरीक्षण के दौरान बच्चों से संवाद करने तथा उनके साथ पंक्ति में बैठकर मध्याह्न भोजन ग्रहण करने को भी अनिवार्य किया गया है। इस व्यवस्था का नियमित अनुपालन किया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा प्रस्तुत इन प्रयासों की अपर मुख्य सचिव ने सराहना की। उन्होंने कहा कि जिले में अपनाई जा रही अच्छी कार्यप्रणालियों को अन्य स्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए। समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव ने भवनहीन विद्यालयों के लिए अगले 15 दिनों के भीतर भूमि चिह्नित कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं, कायाकल्प अभियान के अंतर्गत स्वीकृत सभी योजनाओं को 20 नवंबर तक हर हाल में पूरा करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि वेतन मद अथवा अन्य किसी भी मद में राशि की आवश्यकता होने पर संबंधित पदाधिकारी समय रहते आवंटन की मांग करें, ताकि योजनाओं एवं विभागीय कार्यों के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी, शिक्षा विभाग के सभी जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ), प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, विभिन्न कार्यालयों के डाटा एंट्री ऑपरेटर सहित शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रैगिंग पर प्रशासन सख्त, सभी कॉलेजों को नोटिस

एसपी स्वर्ण प्रभात ने दिए कड़े निर्देश, शिकायत पर एफआईआर और दोषियों पर होगी कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के कॉलेजों में रैगिंग की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने सभी कॉलेजों को नोटिस जारी कर रैगिंग पर प्रभावी नियंत्रण और परिसर में कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि रैगिंग की शिकायत मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निर्देश के अनुसार, रैगिंग से जुड़े मामलों की जांच एसडीएम और एसडीपीओ करेंगे। साथ ही, कॉलेज प्रबंधन को रैगिंग रोकने के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रशासन की नजर कॉलेजों में रैगिंग की रोकथाम के लिए किए जा रहे इंतजामों पर भी रहेगी। एसपी ने स्पष्ट किया है कि रैगिंग के मामलों में कॉलेज प्रशासन की भूमिका की भी जांच की जाएगी। यदि किसी संस्थान की लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित प्रबंधन के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने कॉलेज प्रबंधन को छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और रैगिंग की किसी भी शिकायत को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया है। एसपी ने साफ किया है कि शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई होगी।

चिल्ड्रेन केयर सेंटर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

» न्यायाधीश मिथलेश कुमार ने बच्चों को पॉक्सो कानून, अच्छे-बुरे स्पर्श और आत्मरक्षा के प्रति किया जागरूक

बीएनएम @ मोतिहारी

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के पत्रांक संख्या एफ.एन. 1157/26/नालसा/जे182, दिनांक 12.10.2026 के अनुपालन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के आदेश संख्या 141, दिनांक 15.10.2026 के आलोक में शनिवार को शहर के श्रीकृष्णा नगर स्थित गायत्री मंदिर रोड में संचालित चिल्ड्रेन केयर सेंटर में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विशेष न्यायालय (दुष्कर्म एवं पॉक्सो अधिनियम), मोतिहारी के न्यायाधीश मिथलेश कुमार तथा पारा विधिक स्वयंसेवक वसीम अख्तर का विद्यालय के प्रधानाचार्य शशि रंजन श्रीवास्तव ने पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंटकर स्वागत और सम्मान किया। वहीं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यायाधीश मिथलेश कुमार ने छात्र-छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों तथा बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सरल और सहज भाषा में बच्चों को अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श के बीच का अंतर समझाया। साथ ही आत्मरक्षा के महत्व, बाल उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने तथा किसी भी अप्रिय परिस्थिति में कानूनी सहायता प्राप्त करने के तरीकों से भी अवगत कराया। उन्होंने बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि, "जागरूकता ही सुरक्षा की पहली सीढ़ी है। किसी भी विपरीत अथवा असहज परिस्थिति में बच्चों को बिना डरे अपने शिक्षकों या अभिभावकों से खुलकर बात करनी चाहिए।" उन्होंने बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार के शोषण के विरुद्ध निडर होकर आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शशि रंजन श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के निदेशक ललन कुमार पाण्डेय एवं कोषाध्यक्ष अनिल प्रसाद ने किया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रबंधन ने इस महत्वपूर्ण जागरूकता अभियान के सफल आयोजन तथा बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा से संबंधित कानूनों एवं बाल उत्पीड़न के प्रति जागरूक करना तथा उनके लिए एक सुरक्षित, संरक्षित और भयमुक्त वातावरण का निर्माण सुनिश्चित करना रहा।

संक्षिप्त समाचार

सरदार पटेल की जयंती पर मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

बीएनएम @ छौड़ादानो। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूल एवं श्री हेमराज दास राजकीयकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अंचलाधिकारी रंजन कुमार बैठा, थानाध्यक्ष राजीव कुमार, प्रभारी प्रधानाध्यापक ध्रुव कुमार ठाकुर एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कुमार रामानुजम उपस्थित रहे। समन्वयक शिव सुजन कुमार एवं शिक्षक ललित किशोर प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत किया। वक्ताओं ने सरदार पटेल के जीवन, आदर्शों और देश की रियासतों के एकीकरण में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हें राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया। समन्वयक शिव सुजन कुमार ने कहा कि युवाओं को आपसी भेदभाव भुलाकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास में योगदान देना चाहिए। अंत में अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और भाईचारे को बनाए रखने का संकल्प लिया।

एसएसबी की रैली से गूंजा राष्ट्रीय एकता का संदेश

बीएनएम @ बगहा। 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) बगहा की ओर से शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यवाहक कमांडेंट सुरेश शर्मा, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में वाहिनी मुख्यालय एवं अधीनस्थ सीमा चौकियों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान अधिकारियों और जवानों ने रन फॉर यूनिटी, वॉकाथन तथा एकता शपथ कार्यक्रम में भाग लिया। सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर 21वीं वाहिनी मुख्यालय से बगहा रामपुर चौक तक मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों और स्थानीय लोगों को राष्ट्रीय एकता, आपसी भाईचारे एवं सद्भाव का संदेश दिया गया। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की गई। वर्षा और प्रतिकूल मौसम के बावजूद अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को मजबूत करना तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में आपसी सद्भाव, भाईचारे और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को बढ़ावा देना रहा। मौके पर एसएसबी के सभी अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

बगहा में 13 दुकानें बंद करने का आदेश, 8 को नोटिस

बीएनएम @ बगहा। आगामी त्योहारों को देखते हुए आम लोगों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को बगहा अनुमंडल प्रशासन ने होटलों और खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। एसडीएम चांदनी कुमारी के नेतृत्व में बगहा-1 एवं बगहा-2 नगर परिषद क्षेत्र से चौतरवा तक विभिन्न होटलों और मिठाई दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान मिठाई, पनीर, बोतलबंद पानी सहित अन्य खाद्य पदार्थों की जांच की गई। निरीक्षण में अनियमितताएं पाए जाने पर 13 दुकानों को बंद करने का निर्देश दिया गया। वहीं, साफ-सफाई के निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वाले आठ दुकानदारों को नोटिस जारी किया गया। इसके अलावा एक्सपायरी खाद्य सामग्री बेचने के मामले में एक प्रतिष्ठान को भी नोटिस थमाया गया। एसडीएम चांदनी कुमारी ने संबंधित दुकानदारों को निर्देश दिया कि वैध खाद्य लाइसेंस प्राप्त करने और खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के बाद ही प्रतिष्ठानों का संचालन दोबारा शुरू किया जा सकेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच आगे भी जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी बिड्डू कुमार राम, पटखौली थानाध्यक्ष उत्पल कांत, अनुमंडल कर्मी और पुलिस बल मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में हड़कंप मचा रहा।

13 मिठाई दुकानों को बंद करने का निर्देश, प्रशासन की छापेमारी

बीएनएम @ पश्चिम चंपारण। जिले में खाद्य सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह के निर्देश पर बेतिया सदर, नरकटियागंज और बगहा अनुमंडलों में मिठाई दुकानों, होटलों और खाद्य प्रतिष्ठानों की एक साथ जांच की गई। बगहा अनुमंडल में एसडीओ चांदनी कुमारी के नेतृत्व में हुई जांच के दौरान 13 दुकानों को बंद करने का निर्देश दिया गया। वहीं, साफ-सफाई में कमी पाए जाने पर आठ दुकानों को नोटिस जारी किया गया। एक्सपायरी खाद्य सामग्री बेचने के मामले में एक दुकान को भी नोटिस दिया गया। प्रशासन ने दुकानदारों को वैध खाद्य लाइसेंस और निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के बाद ही प्रतिष्ठान संचालित करने का निर्देश दिया। बेतिया सदर अनुमंडल में एसडीओ विकास कुमार के नेतृत्व में किशन स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट और अरोड़ा स्वीट्स सहित उनकी मिठाई निर्माण इकाइयों एवं गोदामों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान रसोई, साफ-सफाई, खाद्य सामग्री के रखरखाव और स्वच्छता मानकों की जांच की गई। कमियां मिलने पर संचालकों को तत्काल सुधार करने की हिदायत दी गई। वहीं, नरकटियागंज अनुमंडल में एसडीओ अभिजीत गोविन्दा के नेतृत्व में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आगे भी औचक निरीक्षण जारी रहेगा। आगामी जांच में खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। गुणवत्ता में गड़बड़ी मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने साफ किया है कि खाद्य सुरक्षा और आम लोगों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

ओडीएफ स्थायित्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शनिवार को वाड्स फाउंडेशन एवं यूनिसेफ के सहयोग से लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) स्थिति की स्थिरता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का शुभारंभ जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला में निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए), यूनिसेफ के प्रशिक्षक, जिला स्वच्छता टीम, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रखंड समन्वयकों ने भाग लिया। इस दौरान यूनिसेफ के प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को खुले में शौच से मुक्त स्थिति को स्थायी बनाए रखने के विभिन्न पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत निर्मित सभी परिसंपत्तियों के समुचित रख-रखाव एवं संधारण पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया, ताकि उनका दीर्घकालिक एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सामुदायिक शौचालयों के निर्माण के लिए स्थान का चयन जनसुविधा एवं उपयोगिता को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। साथ ही, पूर्व में निर्मित सभी सामुदायिक शौचालयों का नियमित एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कराने तथा जहां मरम्मत एवं रख-रखाव की आवश्यकता है, वहां अविलंब आवश्यक कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की स्थिति की भी समीक्षा करने तथा वहां कायाकल्प अभियान के अंतर्गत निर्धारित कार्यों को शीघ्र पूरा कराने का निर्देश सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को दिया। इसके अतिरिक्त, नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि का प्रस्ताव संबंधित अंचल अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र प्राप्त करने का निर्देश भी दिया। वहीं, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि खुले में शौच से मुक्त स्थिति को स्थायी बनाए रखने के लिए स्वच्छता को व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से लोगों की दैनिक आदत में शामिल करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल एक सरकारी अभियान तक सीमित न रखकर इसे जनजीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। जब प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इसे अपनी दिनचर्या में अपनाएगा, तभी खुले में शौच से मुक्त स्थिति को लंबे समय तक कायम रखा जा सकेगा। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता से जुड़ी उपलब्धियों को स्थायी बनाए रखना, निर्मित परिसंपत्तियों का बेहतर उपयोग एवं रख-रखाव सुनिश्चित करना तथा जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता के प्रति व्यवहारगत बदलाव को बढ़ावा देना रहा।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर एसएसबी जवानों ने तिरंगा लेकर निकाली बाइक रैली

बीएनएम @ छौड़ादानों

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को एसएसबी समवाय महुआवा एवं समवाय कोरैया की ओर से संयुक्त रूप से भव्य बाइक रैली निकाली गई। रैली में दोनों समवायों के जवानों के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। उक्त रैली का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाना था। इस दौरान एसएसबी के जवान हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और राष्ट्रीय एकता के नारों के साथ विभिन्न गांवों एवं प्रमुख मार्गों से गुजरे। रैली के दौरान स्थानीय लोगों ने भी जवानों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों समवायों के कार्मिकों ने राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को बनाए रखने की शपथ ली। जवानों ने देश की आंतरिक सुरक्षा, संप्रभुता और एकता को मजबूत करने के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर मनाया जाने वाला राष्ट्रीय एकता दिवस हमें देश की एकता, अखंडता और आपसी सौहार्द बनाए रखने की प्रेरणा देता है। साथ ही सभी से उनके आदर्शों एवं बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। मौके पर दोनों समवायों के अधिकारी, एसएसबी के जवान एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पर्यावरण की पाठशाला सह पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ तुरकौलिया

शनिवार को प्रखंड के राम उग्रह सिंह कुशवाहा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में वन विभाग के सहयोग से 'पर्यावरण की पाठशाला सह पौधारोपण कार्यक्रम' आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. अमित रंजन ने ऑप्टोजेनेटिक्स पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विज्ञान और प्रकृति का गहरा संबंध है। प्रकृति को समझना और उसकी रक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। पर्यावरणविद् एवं केबीसी विजेता सुशील कुमार ने जैव विविधता के महत्व को बताया। वहीं, डॉ. विनय कुमार सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता ऐसे आयोजनों से स्पष्ट होती है। चंपारण के चिंतामनपुर की बेटी एवं एसबीआई की पूर्व अधिकारी ऋतु रानी ने अपने 50वें जन्मदिन पर पौधों की सुरक्षा के लिए गैबियन भेंट किए। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल अभियान नहीं, बल्कि भविष्य को सुरक्षित रखने का संकल्प है। वहीं, डॉ. कमलेश कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना भी जरूरी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक नवीन कुमार पाण्डेय ने तथा संचालन सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार ने किया। अंत में अतिथियों ने विद्यार्थियों के साथ विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। मौके पर प्राचार्य डॉ. दुर्गेश मणि त्रिपाठी, नवनीत कुमार गिरि, राज गुरु, राजकिशोर सिंह, आनंद भारती, जेया कमाल, पंकज कुमार, अमृत कुमार, विकास कुमार पाण्डेय, अभिमन्यु कुमार, मंजय कुमार, आशुतोष कुमार, सोनी कुमारी, रमेश कुमार द्विवेदी एवं गुलाम मोहिउद्दीन सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता शिविर में एलएनडी कॉलेज का डंका, अभिषेक ने दिलाया बिहार को गौरव

बीएनएम @ मोतिहारी

हरियाणा के हिसार स्थित गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 22 से 28 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में एलएनडी कॉलेज, मोतिहारी के एनएसएस स्वयंसेवक अभिषेक कुमार ने अपनी नेतृत्व क्षमता, प्रतिभा और उत्कृष्ट प्रदर्शन से कॉलेज सहित पूरे बिहार का नाम रोशन किया। अभिषेक के कुशल नेतृत्व में शिविर की 'टीम रणथंभौर' ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 'ओवरऑल बेस्ट टीम' का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। 'माय भारत के लिए युवा और डिजिटल साक्षरता' विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय शिविर में बिहार सहित देश के 17 राज्यों के 200 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को 20-20 सदस्यों की 10 टीमों में विभाजित किया गया था। इनमें से 'टीम रणथंभौर' की कमान एलएनडी कॉलेज के अभिषेक कुमार को सौंपी गई थी। शिविर के दौरान अभिषेक ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय देते हुए विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। उद्घाटन सत्र में उन्होंने लोक आस्था के महापर्व छठ की सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर बिहार की समृद्ध लोकसंस्कृति को प्रदर्शित किया। वहीं, 27 अक्टूबर को आयोजित भव्य सांस्कृतिक संध्या में बिहार दल के साथ पारंपरिक प्रस्तुति दी। इसके अतिरिक्त 'युवा संसद' में भी उन्होंने अपनी टीम का प्रभावशाली प्रतिनिधित्व किया। अभिषेक के नेतृत्व में टीम रणथंभौर ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए। टीम ने 200 मीटर महिला एथलेटिक्स दौड़ में प्रथम स्थान, पोस्टर मेकिंग में द्वितीय स्थान, स्टोन पेंटिंग में द्वितीय स्थान तथा श्रमदान में सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार प्राप्त किया। इन उपलब्धियों के आधार पर समग्र मूल्यांकन में टीम रणथंभौर को शिविर की सभी 10 टीमों में 'ओवरऑल बेस्ट टीम' के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से एलएनडी कॉलेज में खुशी का माहौल है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने अभिषेक को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन सिंह ने कहा कि अभिषेक एनएसएस की प्रत्येक गतिविधि में हमेशा सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। उनका समर्पण, अनुशासन और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता सराहनीय है। इस अवसर पर खेल प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार, बर्सर डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. कुमार राकेश रंजन, प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार, आशुतोष कुमार सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने अभिषेक को बधाई देते हुए इसे कॉलेज और बिहार के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

थानाध्यक्ष ने छठ गीत गाकर बांधा समां

बीएनएम @ जगदीशपुर

ईश्वरशांति कॉलेज में आयोजित वीसी के कार्यक्रम के दौरान जगदीशपुर थानाध्यक्ष नीतेश कुमार ने छठ गीत प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। पुलिस की वर्दी में छठी मैया की महिमा का गुणगान करते थानाध्यक्ष की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र बनी रही। गीत के दौरान उपस्थित लोगों ने तालियों से उनका उत्साह बढ़ाया। उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में भक्ति और लोकसंस्कृति का सुंदर संगम प्रस्तुत किया। छठ बिहार की लोक आस्था का प्रमुख पर्व है, जिसके गीतों में श्रद्धा, समर्पण और पारंपरिक संस्कृति की झलक मिलती है। थानाध्यक्ष नीतेश कुमार की इस प्रस्तुति ने यह संदेश दिया कि पुलिस अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं से भी जुड़े रहते हैं। कार्यक्रम में उनकी छठ गीत की प्रस्तुति लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही।

जीविका के 329 कर्मियों को मिलेगा स्वास्थ्य प्रशिक्षण

बीएनएम @ पश्चिम चंपारण

महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य, मातृ एवं शिशु सुरक्षा तथा गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जीविका की ओर से विशेष पहल की जा रही है। इसी क्रम में बेतिया स्थित नील गंगा होटल में स्वास्थ्य संजीवनी विषय पर जीविका कर्मियों का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, प्रजनन स्वास्थ्य, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा गैर-संचारी रोगों की पहचान और बचाव की जानकारी दी गई। प्रशिक्षक मृत्युंजय कुमार ने महिलाओं में एनीमिया के लक्षण, दुष्परिणाम और बचाव के उपाय बताए। उन्होंने हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें तथा विटामिन-सी से भरपूर आंवला, संतरा, नींबू और अमरूद जैसे खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करने की सलाह दी। साथ ही उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था और नवजात शिशुओं की समय पर पहचान कर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। जीविका के स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता प्रबंधक सतीश कुमार ने स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की समय पर पहचान एवं नियमित जांच के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जीविका कर्मियों से ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श के प्रति जागरूक करने की अपील की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जिले के 57 एचएनएमआरपी और 272 सीएनआरपी सहित कुल 329 कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षित कर्मी स्वयं सहायता समूहों और ग्राम संगठनों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं तक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जानकारियां पहुंचाएंगे। साथ ही जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ने में सहयोग करेंगे। जीविका की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के स्वास्थ्य, गर्भवती माताओं की देखभाल और नवजात शिशुओं की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

गौनाहा में शिक्षा को मिली नई सौगात, विद्यालय भवन का उद्घाटन

बीएनएम @ बेतिया

जिले के गौनाहा प्रखंड अंतर्गत मटियरिया स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को नवनिर्मित भवन की सौगात मिली है। शुक्रवार को बिहार सरकार के डेयरी, मत्स्य एवं पशुपालन मंत्री नंदकिशोर राम ने समारोहपूर्वक विद्यालय भवन का उद्घाटन किया। साथ ही विद्यालय परिसर में 100 बेड के छात्रावास निर्माण की आधारशिला रखी। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं के स्वागत गान से हुई। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक आरसी कुमार ने मंत्री को फूलों की माला और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष निरंजन पंजीयार, उपप्रमुख राजेश गढ़वाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पंकज झुनझुनूवाला, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील गढ़वाल और जिला बीस सूत्री सदस्य सह जदयू जिला उपाध्यक्ष सूरज सहनी को भी सम्मानित किया गया। विद्यालय निर्माण के लिए जमीन दान करने वाले धीरज चौधरी को मंत्री ने विशेष रूप से सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री नंदकिशोर राम ने कहा कि रामनगर विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है। क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को गति देने के लिए वे सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगे। शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार कराया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की अपील की। साथ ही विद्यार्थियों को मेहनत और लगन से पढ़ाई कर माता-पिता, गांव, प्रखंड, जिला और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर भाजपा पश्चिमी मंडल अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद, रामनाथ राय, सत्येंद्र यादव, निर्मल शर्मा, शाहिद परवेज, संजय निषाद, साहेब काजी, राजदेव काजी, एमएस कंस्ट्रक्शन कंपनी के संवेदक अनिल प्रसाद साह, अंशु कुमार मिश्रा और संजय तिवारी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय भवन के उद्घाटन और 100 बेड के छात्रावास की आधारशिला रखे जाने से क्षेत्र में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार की उम्मीद जगी है। छात्रावास निर्माण पूरा होने के बाद विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

असल सूरत की गलत व्याख्या

सरकार और रेज़ीम एक ही चीज नहीं हैं। सरकार लोगों का एक समूह है, जिसके पास सत्ता होती है। जबकि रेज़ीम नियमों की वो व्यवस्था है, जिसके तहत सत्ता पाई जाती है और उसका संचालन होता है। वरिष्ट वकील प्रशांत भूषण ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त विरोधी वर्तमान आंदोलन 'रेज़ीम चेंज0 (शासन-तंत्र में परिवर्तन) के लिए है और इसमें कोई बुराई नहीं है। चूंकि उसके कुछ ही रोज पहले भूषण नेता विपक्ष राहुल गांधी के निवास पर एक बैठक में शामिल हुए थे, इसलिए भाजपा को इस बयान में कांग्रेस को घेरने का मौका नजर आया। यहां तक कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तक ने इस वक्तव्य को देश में अराजकता फैला कर सत्ता प्राप्त करने की कांग्रेस की कोशिश का प्रमाण बताया। कांग्रेस ने इसका जवाब यह कह कर दिया कि लोकतंत्र में विपक्ष का काम ही सरकार को बेनकाब करना, विरोध करना और उसे पद से हटाने की कोशिश करना है। मगर राजनीति-शास्त्र के नजरिए से देखें, तो सरकार और शासन-तंत्र एक ही चीज नहीं हैं। इसके मुताबिक सरकार लोगों का एक खास समूह है, जिसके हाथ में सत्ता होती है। जबकि रेज़ीम (शासन-तंत्र) नियमों की वह व्यवस्था है, जिनके जरिए सत्ता हासिल की जाती है और उसका संचालन किया जाता है। इस अर्थ में देखें तो नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा का 2014 में सत्ता में आना रेज़ीम चेंज साबित हुआ है। मोदी तब स्थापित व प्रचलित कायदों के जरिए सत्ता में जरूर आए, लेकिन उनकी सरकार ने सत्ता संचालन की रवायत, संदर्भ बिंदु और अनेक कायदों को बदल डाला है। एक समझ है कि ऐसा कर चुकने के बाद वह सत्ता प्राप्त करने के कायदों को बदलने में जुटी हुई है। धारणा बनी है कि निर्वाचन आयोग इसी मकसद को लागू करने की एजेंसी बन गया है। फिलहाल छिड़ा सियासी आंदोलन इसी शिकायत से उपजा है। अतः ताजा बहस में मुद्दा है कि क्या मोदी विरोधी इस आंदोलन के जरिए पुरानी रवायतों को वापस लाने की बात कर रहे हैं या कोई नई व्यवस्था थोपना चाहते हैं? अगर नई व्यवस्था की बात नहीं है (जैसाकि प्रथम दृष्टि में दिखता है), तो वे असल में रेज़ीम चेंज के बजाय रेज़ीम बहाली की बात कर रहे हैं। इसे अराजकता या संवैधानिक दायरे से बाहर बताना संभवतः असल सूरत की गलत व्याख्या है।

अखंडता का संकल्पः सरदार पटेल और मजबूत भारत का सपना

धनंजय राठौर, अशोक कुमार चन्द्रवंशी

-कता केवल देश की सीमाओं से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, समान अवसर और सामाजिक सद्भाव से होती है

भारत की पहचान उसकी विविधता और एकता में है। यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं, अलग-अलग संस्कृतियों और परंपराओं का पालन किया जाता है, फिर भी देशवासियों को एक सूत्र में बाँधने वाली भावना है-राष्ट्रीय एकता। यह एकता केवल देश की सीमाओं की रक्षा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि हर नागरिक स्वयं को देश के साझा भविष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा महसूस करे।

हर वर्ष31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदारवल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें उनके ऐतिहासिक योगदान को याद करने के साथ-साथ आज के भारत में एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की जिम्मेदारी का एहसास कराता है। वर्ष 1947 में देश की स्वतंत्रता के समय भारत के सामने अनेक चुनौतियाँ थीं। अंग्रेजी शासन समाप्त होने के बाद देशी रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करना एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे समय में देश के पहले उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने वी. पी. मेनन और अन्य अधिकारियों के सहयोग से संवाद, समझदारी और दृढ़ नेतृत्व के माध्यम से रियासतों के एकीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया, जिन्होंने 560 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय कर देश को एक सूत्र में पिरोया। देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को मजबूत करने तथा आंतरिक एवं बाहरी चुनौतियों का सामना करने के लिए राष्ट्रीय संकल्प को मजबूत किया। सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रयासों ने एक मजबूत और एकीकृत भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 2014 से उनकी जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में विशेष रूप से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर 'रन फॉर यूनिटी0, राष्ट्रीय एकता की शपथ और विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से देश की एकता और अखंडता का संदेश दिया जाता है। सरदार पटेल की विरासत हमें सिखाती है कि विभिन्न विचारों, हितों और पहचानों के बीच तालमेल बनाकर ही एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। आज भारत के सामने चुनौती रियासतों को एकजुट करने की नहीं, बल्कि विकास के लाभों को देश के प्रत्येक क्षेत्र और नागरिक तक पहुँचाने की है। सड़क, रेल, बिजली, संचार और डिजिटल सुविधाओं का विस्तार दूरस्थ क्षेत्रों को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ता है। इससे लोगों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और व्यापार के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। हालाँकि, केवल बुनियादी ढाँचे का विकास ही राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके लिए यह भी जरूरी है कि विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को विकास के समान अवसर मिलें, सार्वजनिक सेवाएँ सुलभ हों और उनकी आवश्यकताओं को उचित महत्व दिया जाए। लोकतंत्र की स्थिरता, स्वतंत्रता की रक्षा और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए राष्ट्रीय एकता और एकीकरण अत्यंत आवश्यक है। जब तक पूरा राष्ट्र एकता की भावना से बंध नहीं जाता, तब तक देश में कोई विकास या आर्थिक प्रगति संभव नहीं है। इसलिए, राष्ट्रीय एकीकरण को सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। राष्ट्रीय एकीकरण की रक्षा के लिए हमें एक मजबूत राष्ट्र की आवश्यकता है। अतः जाति, क्षेत्रवाद, धर्म आदि पर केंद्रित संकीर्ण सोच से दूर रहकर हमें विघटनकारी तत्वों का दमन करना चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाएँ लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान देती हैं। जब शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचता है और लोगों को आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं, तब व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ता है। यही विश्वास राष्ट्रीय एकता की नींव को मजबूत करता है।

सहकारी संघवाद से मजबूत होगा देशः भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार, उद्योग और आंतरिक सुरक्षा जैसे विषयों पर मिलकर काम करने से विकास को गति मिलती है। लोकतंत्र में राजनीतिक विचारों और क्षेत्रीय आकांक्षाओं में अंतर होना स्वाभाविक है। महत्वपूर्ण यह है कि इन मतभेदों का समाधान संवाद, संवैधानिक मूल्यों और आपसी सम्मान के माध्यम से किया जाए। जब विभिन्न सरकारें और संस्थाएँ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए जनहित को प्राथमिकता देती हैं, तब राष्ट्रीय एकता और मजबूत होती है। विकास की योजनाओं में स्थानीय जरूरतों का ध्यान रखना भी आवश्यक है, ताकि दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों के नागरिक स्वयं को देश की विकास यात्रा से जुड़ा हुआ महसूस करें।

विविधता का सम्मान ही भारत की असली ताकतः भारत की एकता का अर्थ यह नहीं है कि सभी लोग एक जैसी भाषा बोलें, एक जैसी परंपराएँ अपनाएँ या एक जैसे विचार रखें। भारत की वास्तविक ताकत इस बात में है कि अलग-अलग पहचान और जीवनशैली वाले लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हुए साथ रह सकें। डिजिटल संचार के इस दौर में सूचनाएँ तेजी से फैलती हैं। ऐसे में अफवाहों से बचना, किसी भी सूचना की सत्यता जाँचना और जिम्मेदारी के साथ अपनी बात रखना पहले से अधिक जरूरी हो गया है। समाज में अविश्वास और तनाव बढ़ाने वाली गतिविधियों के बजाय संवाद, सहयोग और भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए। राष्ट्रीय एकता केवल सरकारी कार्यक्रमों या संदेशों से कायम नहीं रह सकती। इसे मजबूत बनाने के लिए नागरिकों के दैनिक व्यवहार में समानता, संवेदनशीलता और परस्पर सम्मान का होना आवश्यक है।

देश की सांस्कृतिक विविधता को समझने और राज्यों के बीच आपसी संबंध मजबूत करने के उद्देश्य से वर्ष 2015 में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत0 पहल शुरू की गई। इसके माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा पारस्परिक समझ को बढ़ावा दिया जाता है। शैक्षणिक गतिविधियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अंतरराज्यीय यात्राएँ और विभिन्न क्षेत्रों की कला एवं परंपराओं से परिचित कराने वाले आयोजन विशेष रूप से युवाओं में राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित कर सकते हैं। 1 से 15 नवंबर 2026 तक एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर भारत पर्व का आयोजन भी किया जाएगा। युवा देश का भविष्य हैं। शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा, स्वच्छता और जनजागरूकता जैसे कार्यों में उनकी भागीदारी समाज को जोडऩे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जब युवा क्षेत्रीय और भाषाई भेदभाव से ऊपर उठकर देशहित को प्राथमिकता देते हैं, तब एक मजबूत और समावेशी भारत का मार्ग प्रशस्त होता है। राष्ट्रीय एकता दिवस हमें याद दिलाता है कि देश की एकता और अखंडता बनाए रखना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का साझा कर्तव्य है। देश की सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव, विकास के समान अवसर, सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास भी स्थायी शांति के लिए आवश्यक हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत के राजनीतिक एकीकरण में ऐतिहासिक योगदान दिया।

वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह समावेशी विकास, सामाजिक न्याय, आपसी सम्मान और संवैधानिक मूल्यों के माध्यम से इस एकता को और मजबूत बनाए। राष्ट्रीय एकता का वास्तविक अर्थ यह नहीं है कि देश का प्रत्येक नागरिक एक जैसा सोचे, बल्कि यह है कि अलग-अलग विचारों, भाषाओं और संस्कृतियों के बावजूद सभी एक साझा भविष्य के निर्माण के लिए साथ खड़े हों। सरदार पटेल की विरासत से प्रेरणा लेकर एकता, सद्भाव और सहयोग को जीवन का हिस्सा बनाना ही राष्ट्रीय एकता दिवस का सच्चा संदेश है। राष्ट्रीय एकता राष्ट्र को मजबूत और संगठित बनाती है।

लेखक संयुक्त संचालक, जनसंपर्क, सहायक जनसंपर्क अधिकारी हैं।

चीन सीमा की सुरक्षा करने वाले जवान दिल्ली में प्रदर्शन रोकने तैनात!

सनत जैन

भारत की सीमाओं की सुरक्षा करने वाले जवानों को यदि राजधानी दिल्ली में नागरिकों के प्रदर्शन रोकने के लिए तैनात करना पड़े, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। चीन के साथ सीमा पर तनाव समाप्त होने के दावों के बीच भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच जारी टकराव की पुष्टि की है। ऐसे समय में सीमा सुरक्षा बलों की तैनाती और उनके उपयोग पर देश में बहस होना स्वाभाविक है। कांग्रेस ने इस मामले में आक्रामक रुख अपनाया हुआ है। गलवान घाटी में जून 2020 में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के बाद, भारत-चीन के संबंधों में विश्वास का संकट गहरा गया था। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच देपसांग और डेमचोक में गश्त की व्यवस्था को लेकर समझौता हुआ। इसका अर्थ यह नहीं था, सीमा विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो गया। अब आईटीबीपी प्रमुख के बयान ने स्पष्ट कर दिया है, अरुणाचल प्रदेश सहित भारत की सभी सीमाओं पर चीन द्वारा जो अवैध कब्जा किया जा रहा है उसकी वास्तविक चुनौतियां पहले की तुलना में और भी गंभीर हुई हैं।

सवाल यह है कि जब सीमा पर चीनी सैनिकों के साथ टकराव की स्थिति बनी हुई है, सरकार देश को पूरी स्थिति से अवगत क्यों नहीं कराती? सीमा पर कहां टकराव हो रहा है, भारतीय जवान किन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। उन्हें आधुनिक तकनीक तथा आवश्यक उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं, इन सवालों पर पारदर्शिता के साथ देश की जनता और विपक्ष को जवाब मिलना ही चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर हर जानकारी सार्वजनिक करना संभव नहीं है, लेकिन देश की जनता को गोपनीय मामलों को छोड़कर अन्य मामलों में अंधेरे में रखना भी ठीक नहीं है। दिल्ली में प्रदर्शनों की आशंका के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 273 कंपनियों की तैनाती 31 अक्टूबर तक बढ़ाए जाने की खबर सामने आई है। इनमें आईटीबीपी की 39 कंपनियां भी शामिल हैं। यह तैनाती ऐसे समय हो रही है, जब राजधानी में चुनाव आयोग के खिलाफ एवं विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन और विभिन्न संगठनों की विरोधात्मक गतिविधियां जारी हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी और अन्य केंद्रीय बल दिल्ली और पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में तैनात किए हैं। यह कहना सही नहीं होगा, पूरी तैनाती सीमा से जवानों को हटाकर की गई है, लेकिन सवाल यह है, जब सीमा में सैनिकों की जरूरत है ऐसे समय पर नागरिक क्षेत्र में उनकी तैनाती क्यों की गई? यह प्रश्न महत्वपूर्ण है, लंबे समय तक आंतरिक कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने से सीमावर्ती क्षेत्रों में बलों की उपलब्धता पर कितना भारी असर पड़ रहा है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है। यदि कोई आंदोलन कानून का उल्लंघन करता है, तो उससे निपटने के लिए कानूनसम्मत व्यवस्था बनाने के लिए और भी बल मौजूद हैं। सरकार की आलोचना करने वाले प्रत्येक आंदोलन को सुरक्षा की समस्या मानकर उससे निपटने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि राजधानी में इतनी बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। देश के सामने पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से जुड़ी अलग-अलग सीमा बड़ी चुनौतियां हैं। आतंकवाद, घुसपैठ, तस्करी और सीमा पार अपराधों से निपटने के लिए प्रशिक्षित जवानों की जरूरत है। ऐसे में यदि केंद्रीय बलों को लगातार चुनावों और राज्यों की कानून-व्यवस्था के लिए तैनात किया जाता है, तो उनके मूल दायित्वों पर पड़ने वाले प्रभाव का आंकलन होना चाहिए। कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जवाब देही है। राहुल गांधी और कांग्रेस सहित विपक्षी दल सीमा की स्थिति को लेकर सरकार से पिछले कई वर्षों से संसद के अंदर सवाल पूछ रहे हैं। सरकार को इन सवालों का जवाब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, तथ्यों और आधिकारिक जानकारी के माध्यम से देना चाहिए। विपक्ष का काम सवाल उठाना और सरकार का दायित्व सदन में जवाब देना है। मतदाता सूची में नामों के विलोपन, चुनाव आयोग की निष्पक्षता और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को लेकर उठ रहे सवालों ने राजनीतिक वातावरण को तनावपूर्ण बना दिया है।

ऐसे समय में सरकार और विपक्ष के बीच संवाद की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। सरकार के लिए भारत की सीमाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। देश की सुरक्षा करने वाले जवानों का इस्तेमाल कहां और किस उद्देश्य से किया जा रहा है, इसका जवाबदेह आकलन भी उतना ही आवश्यक है। सरकार को सीमा पर जारी टकराव की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, जवानों को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए और शांतिपूर्ण आंदोलनों से निपटने में लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करना चाहिए। सरकार को संवाद की परंपरा चालू करनी चाहिए। सरकार एक तरफा निर्णय लेती है। जो सवाल उठ रहे हैं उनका जवाब नहीं देती है। संवैधानिक संस्थाओं में बैठे हुए लोग भी मनमानी कर रहे हैं। इससे जनता के बीच में नाराजी बढ़ती जा रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारें आती-जाती रहती हैं। देश की सीमाएं, सैनिकों का सम्मान और लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्थायी राष्ट्रीय जिम्मेदारियां हैं। राजनीतिक विरोध को राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय नहीं माना जा सकता है। यदि सरकार ने समय रहते अपनी प्राथमिकताओं में संतुलन नहीं बनाया, तो इसका असर केवल उसकी राजनीतिक छवि पर नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। चुनाव आयोग और न्यायपालिका को लेकर जिस तरह के सवाल जनता के मन में उठ रहे हैं, उन सवालों का जवाब देना और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही तय करना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि ऐसा नहीं हुआ तो राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है जो स्थिति देश की 1947-48 में थी, वही स्थिति एक बार फिर देखने को मिल सकती है। यदि ऐसा हुआ तो यह भारत के लिए सबसे बड़ा कठिन समय है। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज किसी भी काम को पूरा करने में जल्दबाजी ना करें, नहीं तो उस काम में कुछ कमियां रह जाएंगी। स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में कम और मोबाइल पर ज्यादा रहेगा। आज आप अपने फिजूल खर्चों पर काबू बनाए रखें। संतान पक्ष की ओर से खुशखबरी मिलेगी। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी मिलेगी।

वृषभ राशिः वृष राशि वालों आज का दिन नई सौगात लेकर आया है। पहले से ही किए हुए निवेश का आज आपको फायदा मिलेगा। आज आप किसी खास मित्र की मदद करेंगे। आज आपके कारोबार में बड़ा बदलाव आएगा। लंबे समय से चल रही स्वास्थ्य संबंधी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

मिथुन राशिः आप अपने भविष्य को आगे बढ़ाने की योजनाओं पर ध्यान देंगे। आज के दिन करीबी रिश्तेदार आपकी खुशियों को दोगुना कर देगा। आज घर के बड़ों का सहयोग आपके साथ रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में बढ़ोतरी के नए अवसर प्राप्त होंगे। आपका समय परिवार वालों के साथ अधिक बीतेगा। जीवनसाथी की भावनाओं को समझने की कोशिश करेंगे। बच्चों का ज्यादा समय खेलने कूदने में बीतेगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको अपनी बचत में से कुछ पैसा निकालने की जरूरत पड़ सकती है। आज आप अपने बच्चों को कुछ अच्छा सिखा सकते हैं, जो उनके भविष्य में उन्हें काम आएगा। आज जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते अच्छे बनेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आज आप जिस काम को पूरा करने की कोशिश करेंगे, वो आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी दोस्त से मुलाकात आपको फायदा दिला सकती है। आज परिवार के लोगों के बीच मधुरता बढ़ेगी। आज आप अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए थोड़ा अधिक प्रयास करेंगे।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज कामकाज के बारे में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दूसरों की सलाह पर ध्यान देंगे, तो वह आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। छात्रों को आज शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सफलता प्राप्त होगी। आज आपको ऑफिस के किसी काम से यात्रा करना पड़ेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपके जीवन में कई नए बदलाव आएंगे, जो आपके भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होंगे। सोशल मीडिया पर नए लोगों से आपकी दोस्ती होगी। आज समाज में आपकी अलग पहचान बनेगी, तरक्की के नए अवसर आपके सामने आएंगे। दोस्तों के साथ मिलकर नया व्यापार शुरू करने की सोचेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। छात्रों को आज कहीं से करियर संबंधी शुभ सूचना मिलेगी, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा बनेगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे, जिससे आपके रिश्तों में मजबूती आएगी। बच्चे माता पिता के साथ पार्क में जाने की जिद करेंगे। सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को आज जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिलेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर के रुके हुए सभी काम आज आसानी से पूरे होंगे। किसी बात को लेकर आपके मन में उत्सुकता बनी रहेगी। आपकी बातों को लोग गंभीरता से सुनेंगे और उस पर अमल भी करेंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को किसी अच्छी कंपनी से जॉब का ऑफर आएगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज कार्यों को पूरा होने में कुछ अधिक समय लगेगा। इस राशि के जो लोग ऑनलाइन व्यापार करते हैं, आज उन्हें बड़ा ऑर्डर मिलेगा। आज कार्यों को पूरा करने में परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी पर भरोसा बनाए रखने से रिश्तों में मजबूती आएगी। बच्चे माता से अपने मन की बातें शेयर करेंगे।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। आज आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। आज कुछ पुराने दोस्तों से फोन पर लंबी बात होगी, जिनके साथ आप अपनी पुरानी यादें भी ताजा करेंगे। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। छात्रों को आज किसी टॉपिक को समझने में सहपाठियों का सहयोग मिलेगा।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। छात्रों को आज कुछ नया सीखने का मौका मिलेगा, जिसमें गुरुओं का सहयोग प्राप्त होगा। आज घर पर थोड़े व्यावहारिक रहने की कोशिश करेंगे, जिससे लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस राशि के जो लोग वकील हैं, उनको नया केस मिलेगा। आज आपके सभी काम सफलतापूर्वक पूरे होंगे।

आधुनिक तकनीक से जीवंत हुईं जनजातीय अमर बलिदानियों की शौर्यगाथाएं

डॉ.ओम डहरिया

छत्तीसगढ़ की पावन धरा सदियों से त्याग, तपस्या, संघर्ष और स्वाभिमान की साक्षी रही है। यहां के घने जंगलों, पर्वतों और वनांचलों में स्वतंत्रता की ऐसी अनगिनत गाथाएं जन्मीं, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाकर रख दी थी। इतिहास के पन्नों में अपेक्षित स्थान नहीं पा सके इन जनजातीय नायकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को अब एक नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और जनजातीय कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में नवा रायपुर अटल नगर में निर्मित 'शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय0 देश में जनजातीय शौर्य, स्वाभिमान और आधुनिक डिजिटल तकनीक के अनूठे संगम के रूप में उभरा है। यह भव्य संग्रहालय केवल ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि उन अमर बलिदानियों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का जीवंत प्रतीक है, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर 1 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य संग्रहालय को राष्ट्र को समर्पित किया था। यह अवसर केवल एक संग्रहालय के लोकार्पण का नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के संकल्प की सार्थक अभिव्यक्ति का था। लगभग 50 से 55 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह अत्याधुनिक संग्रहालय जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली देश की विशिष्ट परियोजनाओं में शामिल है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और ऐतिहासिक योगदान को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। यह संग्रहालय उसी सोच का साकार स्वरूप है, जिसमें विकास के साथ अपनी जड़ों, संस्कृति और पुरखों के बलिदान को सहेजने का संकल्प निहित है। विशेष रूप से जनजातीय पृष्ठभूमि से आने वाले मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक धरोहर का निर्माण प्रदेश के जनजातीय समाज के गौरव और आत्मसम्मान को नई ऊंचाई प्रदान करता है। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 में सोनाखान के अमर शहीद वीर नारायण सिंह ने जिस साहस और स्वाभिमान का परिचय दिया, वह आज भी छत्तीसगढ़ की सामूहिक चेतना में जीवित है। अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल विद्रोह नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, सामाजिक न्याय और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण था। इस संग्रहालय में वीर नारायण सिंह सहित उन असंख्य जनजातीय योद्धाओं की गाथाओं को जीवंत किया गया है, जिनका संघर्ष स्वतंत्रता आंदोलन की मजबूत आधारशिला बना। जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में स्थापित इस संग्रहालय की भव्य दीर्घाएं इतिहास के उन अध्यायों से परिचित कराती हैं, जिन्हें जानना प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है। यहां लगभग 650 से अधिक जीवंत मूर्तिशिल्पों के माध्यम से जनजातीय संघर्षों का प्रभावशाली चित्रण किया गया है। हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह और सोनाखान विद्रोह जैसी ऐतिहासिक घटनाएं दर्शकों को जनजातीय वीरता के उस दौर में ले जाती हैं, जब सीमित संसाधनों के बावजूद हमारे पुरखों ने शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी थी। झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह के लिए निर्मित विशेष दीर्घाएं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ के योगदान को और व्यापक रूप में प्रस्तुत करती हैं। इस संग्रहालय की सबसे बड़ी विशेषता इतिहास और आधुनिक तकनीक का अद्भुत समन्वय है। अत्याधुनिक वीएफएक्स तकनीक, डिजिटल प्रोजेक्शन, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतियों और जीवंत मूर्तिशिल्पों के माध्यम से ऐतिहासिक घटनाओं को इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है कि दर्शक स्वयं को उस कालखंड का साक्षी महसूस करते हैं। यहां इतिहास केवल पढ़ा या देखा नहीं जाता, बल्कि उसकी अनुभूति होती है। युद्धभूमि का वातावरण, वीर सेनानियों का संघर्ष, जनजातीय समाज की जीवनशैली और स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदान आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत हो उठते हैं। डिजिटल सूचना प्रणाली इस संग्रहालय को विशेष पहचान प्रदान करती है। प्रत्येक दीर्घा में स्थापित डिजिटल बोर्ड, क्यूआर कोड और अन्य आधुनिक माध्यमों से आगंतुक संबंधित ऐतिहासिक घटनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन करते ही इतिहास की महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध हो जाती हैं। प्रशिक्षित गाइड भी दर्शकों को जनजातीय विद्रोहों और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से परिचित कराते हैं। इस प्रकार यह संग्रहालय इतिहास, शोध, शिक्षा और पर्यटन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। आगंतुकों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। संग्रहालय परिसर में स्वच्छ पेयजल, व्यवस्थित पार्किंग, सीसीटीवी सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर तथा शिशुवती माताओं के लिए शिशु देखभाल कक्ष जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन व्यवस्थाओं से बच्चों, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और परिवारों के लिए संग्रहालय का भ्रमण सुविधाजनक और ज्ञानवर्धक बनता है। लोकार्पण के बाद से ही इस ऐतिहासिक संग्रहालय के प्रति लोगों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सामान्य दिनों में एक से दो हजार तथा अवकाश के दिनों में चार से पांच हजार तक दर्शक यहां पहुंच रहे हैं। शुभारंभ से अब तक तीन लाख से अधिक आगंतुकों का संग्रहालय का अवलोकन करना इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मुक्केबाज मैरीकॉम सहित विभिन्न राज्यों के प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, सैन्य जवानों और विदेशी पर्यटकों ने भी यहां प्रदर्शित जनजातीय शौर्यगाथाओं और छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत की सराहना की है। यह संग्रहालय केवल अतीत की स्मृतियों को सहेजने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का सशक्त माध्यम भी है। विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं को यह समझने का अवसर मिलता है कि भारत की स्वतंत्रता केवल कुछ महानगरों या चुनिंदा आंदोलनों के संघर्ष का परिणाम नहीं थी, बल्कि दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले जनजातीय समाज ने भी इसके लिए असाधारण त्याग और बलिदान दिया था। यही कारण है कि यह स्मारक राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक गौरव और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके साथ ही संग्रहालय छत्तीसगढ़ में पर्यटन की नई संभावनाओं को भी विस्तार दे रहा है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या स्थानीय रोजगार, पर्यटन सेवाओं और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रही है। नवा रायपुर की पहचान अब आधुनिक प्रशासनिक राजधानी के साथ जनजातीय इतिहास और सांस्कृतिक पर्यटन के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी विकसित हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निर्मित यह भव्य स्मारक इस बात का प्रमाण है कि अपनी ऐतिहासिक विरासत का सम्मान करते हुए आधुनिक तकनीक के माध्यम से उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना ही सांस्कृतिक संरक्षण की सार्थक दिशा है। जनजातीय कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के सतत मार्गदर्शन में साकार यह संग्रहालय छत्तीसगढ़ के गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य के बीच एक मजबूत सेतु बन गया है। नवा रायपुर की धरती पर खड़ा यह भव्य डिजिटल स्मारक आने वाली सदियों तक जनजातीय स्वाभिमान की अमर ज्योति प्रज्ज्वलित रखेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ध्रुव जुरेल शतक से 1 रन दूर, भारत ए ने पहले दिन सात विकेट पर बनाए 291 रन

एजेंसी, क्राइस्टचर्च

ध्रुव जुरेल और देवदत्त पडिक्कल की शानदार पारियों की बदौलत भारत ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 291 रन बना लिए। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में शनिवार को दिन का खेल समाप्त होने तक कप्तान जुरेल 99 रन बनाकर नाबाद थे, जबकि पडिक्कल ने 80 रन की अहम पारी खेली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ए की टीम को फ्रेजर शीट ने पहले ही ओवर में सफलता दिलाई। उन्होंने यशस्वी जायसवाल को चार गेंदों पर बिना खाता खोले पगबाधा आउट कर दिया। इसके बाद साई सुदर्शन और पडिक्कल ने पारी को संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी कर भारत ए को शुरुआती झटके से उबारा। भारतीय टीम ने लंच तक एक विकेट पर 87 रन बना लिए थे। लंच के बाद दूसरे ओवर में जारोड मैके ने सुदर्शन को मिशेल हे के हाथों कैच कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। सुदर्शन ने 63 गेंदों पर 41 रन बनाए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए यश राठौड़ 13 रन बनाकर ब्रेट रैंडेल की गेंद पर हे को कैच दे बैठे। इस समय भारत ए का स्कोर 131 रन पर तीन विकेट था। पडिक्कल ने एक छोर संभाले रखा और 12 चौकों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, वह 80 रन के निजी स्कोर पर शीट की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद शीट ने लगातार दो झटके देकर भारत ए की मुश्किलें बढ़ा दीं। उन्होंने स्मरण रविचंद्रन को बिना खाता खोले और वाशिंगटन सुंदर को आठ रन के स्कोर पर पगबाधा आउट किया। भारत ए का स्कोर देखते ही देखते छह विकेट पर 160 रन हो गया। इसके बाद जुरेल ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने मानव सुथार के साथ सातवें विकेट के लिए 62 रन जोड़े। सुथार ने 22 रन का योगदान दिया। इसके बाद जुरेल और आकाश दीप ने मोर्चा संभाला। दोनों ने दिन का खेल समाप्त होने तक आठवें विकेट के लिए 69 रन की अविजित साझेदारी की। जुरेल 99 रन बनाकर शतक से सिर्फ एक रन दूर हैं, जबकि आकाश दीप उनका साथ देते हुए क्रीज पर डटे हुए हैं। न्यूजीलैंड ए की ओर से फ्रेजर शीट सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 19 ओवर में 50 रन देकर चार विकेट लिए। ब्रेट रैंडेल, जारोड मैके और जेडन लेनॉक्स को एक-एक विकेट मिला।

संक्षिप्त स्कोरः भारत ए पहली पारी में 291/7 (ध्रुव जुरेल 99 नाबाद, देवदत्त पडिक्कल 80; फ्रेजर शीट 4/50) बनाम न्यूजीलैंड ए।

विश्व आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप में भारत ने 4 स्वर्ण सहित जीते 20 पदक, तालिका में चौथा स्थान

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने 47वीं विश्व आर्मरेसलिंग और 28वीं विश्व पैरा आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप 2026 के शुरुआती दो दिन के फाइनल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और 14 कांस्य सहित कुल 20 पदक जीते। दिल्ली के ईस्ट दिल्ली स्थित लीला एम्बियंस कन्वेंशन होटल में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत कुल पदकों के आधार पर रूस, कजाखस्तान और तुर्किये के बाद चौथे स्थान पर है। चैंपियनशिप में 60 से अधिक देशों के 1,700 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

भारत में पहली बार आयोजित इस विश्व चैंपियनशिप का उद्घाटन गुरुवार को केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और हमीरपुर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने किया। प्रतियोगिता का आयोजन विश्व आर्मरेसलिंग महासंघ के तत्वावधान में पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (पाफी) कर रहा है। पाफी की अध्यक्ष प्रीति झंगियानी और प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास इसके आयोजन में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। उद्घाटन समारोह में विश्व आर्मरेसलिंग महासंघ के अध्यक्ष असेन हदजीतोदोरोव, महासचिव मिर्सिया सिमिओनेस्कु-सिमिसेल, एशियाई आर्मरेसलिंग महासंघ के अध्यक्ष जीनबेक मुकाम्बेतोव और आर्मरेसलिंग ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष फिल रासमुसेन भी मौजूद रहे।

पहले दिन मास्टर्स खिलाड़ियों ने दिलाए 12 पदक : 29 अक्टूबर को प्रतियोगिता के पहले दिन भारतीय मास्टर्स खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण, एक रजत और सात कांस्य पदक जीते। जिंसीमोल सेबेस्टियन ने ग्रैंड मास्टर महिला 80 किलोग्राम वर्ग में बाएं और दाएं, दोनों हाथों से स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए दोहरी स्वर्णिम सफलता हासिल की। योगेश चौधरी ने मास्टर महिला 80 किलोग्राम से अधिक वर्ग में दाएं हाथ से स्वर्ण और बाएं हाथ से कांस्य पदक जीता। शौकत वीटी ने मास्टर पुरुष 60 किलोग्राम से कम वर्ग में दाएं हाथ से स्वर्ण और बाएं हाथ से कांस्य पदक हासिल किया। ग्रैंड मास्टर महिला 80 किलोग्राम से अधिक वर्ग में दाएं हाथ की स्पर्धा में मिनिमोल जोस ने रजत और प्रीथा सी ने कांस्य पदक जीता। प्रिया पय्यान कुन्हिवेट्टिल ने मास्टर महिला 80 किलोग्राम वर्ग में तथा मिनी के ने ग्रैंड मास्टर महिला 70 किलोग्राम वर्ग में दोनों हाथों की स्पर्धाओं में कांस्य पदक अपने नाम किए।

हांगकांग सिक्सेस : यूएई ने भारत को छह विकेट से हराया

एजेंसी, हांगकांग

हांगकांग सिक्सेस 2026 के ग्रुप सी मुकाबले में शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भारत को छह विकेट से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह ओवर में 6 विकेट पर 94 रन बनाए। जवाब में यूएई ने 4.2 ओवर में बिना विकेट खोए 97 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यूएई ने 10 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। नितीश राणा दो गेंदों पर छह रन बनाकर आउट हुए, जबकि राहुल तेवतिया एक रन और शशांक सिंह एक रन ही बना सके। राहुल त्रिपाठी ने सात गेंदों पर 24 रन की तेज पारी खेली, जिसमें एक चौका और तीन छक्के शामिल रहे। कप्तान क्रुणाल पांड्या ने आठ गेंदों पर 15 रन बनाए। टी. नटराजन ने 14 गेंदों पर तीन चौके और चार छक्के की मदद से 38 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। कुलवंत खेजरोलिया बिना खाता खोले नाबाद रहे। भारत ने अतिरिक्त के रूप में नौ रन दिए। यूएई की ओर से जाहिद अली सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने दो ओवर में 32 रन देकर तीन विकेट लिए। मुहम्मद फारूक और मोहम्मद फरजुद्दीन को एक-एक विकेट मिला। 95 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम ने भारतीय गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। कप्तान खालिद शाह और अंश टंडन ने पहले विकेट के लिए 26 गेंदों पर 97 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। खालिद शाह ने 14 गेंदों पर नाबाद 52 रन बनाए। उनकी पारी में तीन चौके और छह छक्के शामिल रहे। अंश टंडन ने 12 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए, जिसमें दो चौके और पांच छक्के शामिल थे। भारत की ओर से टी. नटराजन ने दो ओवर में 43 रन दिए, जबकि शशांक सिंह ने एक ओवर में 17 रन खर्च किए। नितीश राणा ने एक ओवर में 24 रन दिए। भारतीय गेंदबाजों को कोई विकेट नहीं मिला। इस जीत के साथ यूएई ने ग्रुप सी में अपना मुकाबला छह विकेट से जीत लिया,जबकि भारत की यह लगातार दूसरी हार रही, इससे पहले पाकिस्तान ने भारत को हराया था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन वनडे के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए आकिब नबी

एजेंसी, नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के पहले तीन मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को टीम में बदलाव की घोषणा की। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब को शुरुआत में श्रृंखला के चौथे और पांचवें एकदिवसीय मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह दी गई थी। अब चयन समिति ने उन्हें पहले तीन मैचों के लिए भी टीम में शामिल कर लिया है। इस बदलाव के बाद वह श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले से ही भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। पहले तीन एकदिवसीय मुकाबलों के लिए संशोधित भारतीय टीम में शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहले वनडे के लिए) और आकिब नबी शामिल हैं। वहीं, श्रृंखला के चौथे और पांचवें एकदिवसीय मुकाबलों के लिए घोषित भारतीय टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे। इस टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (उपकप्तान और विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव को शामिल किया गया है। इस तरह आकिब नबी अब पांचों एकदिवसीय मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में उपलब्ध रहेंगे।

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला जॉनसनकैब इलेक्ट्रिकल्स का पब्लिक इश्यू, 3 नवंबर तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

इलेक्ट्रिकल केबल्स और वायर का उत्पादन करने वाली कंपनी जॉनसनकैब इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड का 56.02 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए आज से खुल गया। यह कंपनी जॉनसन ब्रांड के तहत 1.1 केवी तक के लो-वोल्टेज वायर्स और केबल्स का उत्पादन करती है। इसके उत्पादों का उपयोग मुख्य रूप से पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, रिन्यूएबल एनर्जी, रेलवे और इंडस्ट्रियल एप्लिकेशंस में होता है। लॉन्चिंग के बाद पहले दिन के अंत इस आईपीओ को 1.14 गुना सब्सक्रिप्शन मिल गया था। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 3 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 4 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 5 नवंबर को सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 6 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 190 रुपये से लेकर 200 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयरों का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम दो लॉट यानी 1,200 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,40000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28.01 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसमें कोई ऑफर फॉर सेल नहीं है। इस आईपीओ में कुल नेट ऑफर का 49.86 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.09 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.05 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस पूरे इश्यू के लिए आईएसके एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मां शीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। इस आईपीओ से जुटाई गई रकम में से 8.46 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी के विस्तार के लिए अतिरिक्त फैक्ट्री शेड के निर्माण में किया जाएगा। इसके अलावा 9.90 करोड़ रुपये का उपयोग उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्लांट और मशीनरी की खरीद के लिए होगा, जबकि 8.50 करोड़ रुपये का निवेश पेपर इंसुलेटेड कॉपर तथा एल्युमीनियम कंडक्टर्स के निर्माण के लिए नई मशीनरी खरीदने पर किया जाएगा। 3.23 करोड़ रुपये का इस्तेमाल एक रूफटॉप सोलर पावर प्लांट की खरीद और स्थापना के लिए किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 14 करोड़ रुपये कंपनी की वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए आवंटित होंगे। इसके बाद शेष बची राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों पर खर्च होगी। जॉनसनकैब इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कंपनी द्वारा कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा किए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले वित्त वर्षों के दौरान लगातार मजबूती बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.52 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.46 करोड़ रुपये हो गया और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 146 प्रतिशत की और दमदार बढ़त के साथ 13.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष के शुरुआती पांच महीनों यानी 31 अगस्त तक ही कंपनी को 8.63 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड का आईपीओ दूसरे दिन 3.98 गुना हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बोली लगाने के दूसरे दिन शेयर बाजार बंद होने तक कुल 3.98 गुना (लगभग 4 गुना) सब्सक्राइब हुआ है। स्टॉक एक्सचेंज पर शुक्रवार को उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक निवेशकों ने कुल 1,65,33,012 शेयरों के मुकाबले 6,25,74,512 शेयरों के लिए अपनी बोलियां लगाई हैं। शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई के जारी आंकड़ों के अनुसार दूसरे दिन योग्य संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) का हिस्सा 6.56 गुना सब्सक्राइब हुआ है, जबकि खुदरा हिस्सा 3.02 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसके अलावा गैर-संस्थागत हिस्सा 1.8 गुना सब्सक्राइब हुआ है। बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड का 183.06 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 29 अक्टूबर को निवेशकों के निवेश के लिए खुला था, जो 2 नवंबर, 2026 को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 78-82 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके प्रत्येक शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये है। इश्यू खुलने से एक दिन पहले बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स ने एंकर निवेशकों से लगभग 54 करोड़ रुपये जुटाये थे।

गेल ने दूसरी तिमाही में 4,650 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की (जुलाई-सितंबर) दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। गेल का मुनाफा दूसरी तिमाही में 110 फीसदी बढ़कर 4,650 करोड़ रुपये रहा है, जबकि रेवेन्यू 30 फीसदी से ज्यादा बढ़ा। कंपनी ने गेल गैस के आईपीओ को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि दूसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ यानी मुनाफा दोगुने से ज्यादा बढ़कर 4,650 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 2,217 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। इस तरह सालाना आधार पर कंपनी के मुनाफे में करीब 110 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

गेल ने बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान ऑपरेशंस से रेवेन्यू सालाना आधार पर 30 फीसदी से ज्यादा बढ़ा, जो 45,924 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। हालांकि, इस दौरान कंपनी के खर्च में भी 23 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कंपनी ने कहा कि नेचुरल गैस मार्केटिंग कारोबार में मजबूत ग्रोथ से मुनाफे को सहारा मिला है। वहीं, गेल गैस के आईपीओ के लिए भी सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है।

गेल (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक दीपक गुप्ता ने कहा कि इस चुनौतीपूर्ण दौर में भी हमारी टीमों ने बेहतरीन लचीलापन और तत्परता दिखाई है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि तमाम मुश्किलों के बावजूद कामकाज बिना किसी रुकावट के चलता रहे। उन्होंने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना और बिना किसी बाधा के आपूर्ति सुनिश्चित करना रही है। साथ ही, कंपनी ने परिचालन दक्षता बढ़ाने, व्यावसायिक लचीलेपन को मजबूत करने और सभी हितधारकों (स्टेकहोल्डर्स) के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने पर अपना ध्यान केंद्रित रखा है। उल्लेखनीय है कि गेल देश की सबसे बड़ी नेचुरल गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों में शामिल है। इसके कारोबार में गैस की खरीद-बिक्री, पाइपलाइन के जरिए गैस की सप्लाई और पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

मैक्सवेल इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस का पब्लिक इश्यू पहले ही दिन 4.67 गुना सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रिसिजन इंजीनियरिंग सेक्टर की कंपनी मैक्सवेल इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस लिमिटेड का 57.64 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। यह इश्यू खुलने के बाद पहले दो घंटे में ही फुली सब्सक्राइब हो गया। पहले दिन के अंत तक इस आईपीओ को 4.67 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 3 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 4 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 5 नवंबर को सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 6 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 150 रुपये से लेकर 158 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयरों का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम दो लॉट यानी 1,600 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,52,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 36.48 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसमें कोई ऑफर फॉर सेल नहीं है। इस आईपीओ में कुल नेट ऑफर का 49.84 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अलॉट किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.03 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.13 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस पूरे इश्यू के लिए जेडीए कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.27 अरब डॉलर घटकर 719.75 अरब डॉलर पर

एजेंसी, नई दिल्ली । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 1.27 अरब डॉलर और गिरकर 719.75 अरब डॉलर रह गया है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार छठे हफ्ते गिरावट दर्ज हुई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इससे पहले 16 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.01 अरब डॉलर घटकर 721.01 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार 23 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां भी 1.35 अरब डॉलर बढ़कर 593.20 अरब डॉलर हो गईं। आरबीआई ने कहा कि इस अवधि में भंडार का मूल्य 2.65 अरब डॉलर घटकर 103.15 अरब डॉलर रह गया। साथ ही विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 27 लाख डॉलर बढ़कर 18.60 अरब डॉलर हो गए। आंकड़ों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में देश का आरक्षित जमा 40 लाख डॉलर घटकर 4.78 अरब डॉलर रह गया। उल्लेखनीय है कि प्रवासी भारतीयों की जमा पर विशेष रियायती अदला-बदली योजना (एफसीएनआर-बी) के तहत बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा के आने से चार सितंबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार अपने उच्चतम स्तर 785.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

वेक्ट्रास एनप्रोकोन का आईपीओ खुला, 6 नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑयल एंड गैस इंडस्ट्री के मिड और डाउन स्ट्रीम सेगमेंट में काम करने वाली प्रमुख ईपीसी कंपनी वेक्ट्रास एनप्रोकोन लिमिटेड का 53.05 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो गया। इश्यू के ओपन के बाद पहले दिन के अंत तक इसे 1.20 गुना सब्सक्रिप्शन मिल गया था। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 3 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 4 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 5 नवंबर को सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 6 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 99 रुपये से लेकर 105 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयरों का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,52,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 50.52 लाख शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके तहत 42.59 करोड़ रुपये मूल्य के 40.56 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि प्रमोटर नयनेश कनुभाई पटेल और महेशकुमार गोपालभाई पटेल द्वारा 10.46 करोड़ रुपये मूल्य के 9.96 लाख शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए की जा रही है। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

लव गिल की टीम ने की महिलाओं के चरित्र हनन की भर्त्सना

छोटे परदे का मशहूर शो बिग बॉस 20 के प्रतिभागी लव गिल को लेकर सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में बहस छिड़ गई है। हालिया प्रकरण में शो के दौरान लव गिल के साथ किए गए व्यवहार को लेकर उनकी आधिकारिक टीम ने एक भावुक बयान जारी किया है। टीम ने राष्ट्रीय टेलीविजन जैसे विशाल मंच पर एक महिला कलाकार के चरित्र हनन की तीव्र भर्त्सना की है।

दरअसल, शो के दौरान मेहमान के तौर पर आई काशवी हिरानंदानी और कार्यक्रम के संचालक रोहित शेट्टी ने लव गिल और अन्य प्रतिभागी स्काउट ओपी के बीच की नजदीकियों पर सवाल खड़े किए थे। इसके बाद लव गिल को सार्वजनिक रूप से आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। लव गिल की टीम द्वारा जारी आधिकारिक वक्तव्य में कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति के धैर्य और सहनशीलता की एक निश्चित सीमा होती है। टीवी स्क्रीन पर लव गिल को असहाय और चुपचाप खड़े देखना, जहां उनके चरित्र को सार्वजनिक रूप से लांछित किया जा रहा था, उनके परिवार और शुभचिंतकों के लिए अत्यंत पीड़ादायक था। टीम ने कहा कि शो के पहले दिन से ही लव गिल की ओर से रिश्ते की मर्यादाएं और सीमाएं पूरी तरह से स्पष्ट थीं। उनके मन में स्काउट के लिए केवल एक भाई जैसा सम्मानजनक भाव था। लेकिन जब किसी पुरुष द्वारा भावनाओं का इजहार किया गया, तो समाज ने अपने पारंपरिक दोहरे मापदंड दिखाते हुए पूरी जिम्मेदारी और दोष महिला प्रतिभागी के सिर पर मढ़ दिया। वक्तव्य में इस बात पर गहरा असंतोष जताया गया कि कुछ लोग केवल ऑनलाइन व्यूज, लाइक्स और मुख्य समाचारों का हिस्सा बनने के लिए एक इंसान के व्यक्तिगत दर्द और सम्मान को अपने मनोरंजन का साधन बना रहे हैं। लव गिल की टीम ने स्पष्ट रूप से मांग की है कि शो के मंच पर हर प्रतिभागी को सुने जाने, गरिमा बनाए रखने और सुरक्षित महसूस करने का समान अधिकार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लव गिल सार्वजनिक अपमान की नहीं, बल्कि न्याय, सहानुभूति और निष्पक्ष व्यवहार की हकदार हैं। किसी भी महिला को किसी अन्य व्यक्ति के निर्णयों या व्यवहार की कीमत अपना आत्मसम्मान खोकर नहीं चुकानी चाहिए। 'बिग बॉस 20' का यह सीजन लगातार नए विवादों और ड्रामे के कारण सुर्खियों में बना हुआ है। हाल ही में लव गिल और स्काउट ओपी के बीच की नजदीकियों को लेकर शो के भीतर और बाहर जिस तरह की बयानबाजी देखने को मिली है, उसने सोशल मीडिया पर बहस को तेज कर दिया है। जहाँ एक तरफ दर्शक इस पूरे मामले पर बंटे हुए नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ इस हाई-वोल्टेज ड्रामे का सीधा असर शो की टीआरपी और ऑनलाइन एंगेजमेंट पर भी पड़ रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के पर्सनल एंगल और कंटेस्टेंट्स के बीच के रिश्तों में आने वाले उतार-चढ़ाव हमेशा से रियलिटी शो के मुख्य आकर्षण रहे हैं। शो के मेकर्स भी दर्शकों की नब्ज अच्छी तरह समझते हैं, यही वजह है कि वीकेंड के वार पर इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाता है ताकि दर्शकों की उत्सुकता बनी रहे। हालांकि, इस बार मामला महिला प्रतिभागी के सम्मान और दोहरे मानदंडों तक पहुँचने के कारण काफी संवेदनशील हो गया है। इंडस्ट्री से जुड़े जानकारों का कहना है कि इस प्रकार के विवादों से शो को तात्कालिक रूप से भारी लोकप्रियता और व्यूज तो मिल जाते हैं, लेकिन कई बार यह प्रतियोगियों की निजी छवि और मानसिक स्थिति पर भी गहरा प्रभाव डालते हैं। बहरहाल, लव गिल की टीम के इस आधिकारिक बयान के सामने आने के बाद अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले एपिसोड्स में शो के होस्ट या मेकर्स इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं और क्या घर के अंदर के समीकरणों में कोई बड़ा बदलाव आता है।

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल की मुख्य प्रस्तोता बनी सामंथा रुथ प्रभु

'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' से सामंथा की टीवी पर वापसी

छोटे पर्दे पर एक बार फिर से अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु धमाकेदार वापसी करने जा रही हैं। इस नए सफर की शुरुआत को लेकर सामंथा बेहद भावुक और उत्साहित हैं। वह प्रसिद्ध कुकिंग रियलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल की मुख्य प्रस्तोता और शो रनर के रूप में दर्शकों के सामने आएंगी। इस अवसर पर उन्होंने अपने बचपन की यादों को साझा करते हुए बताया कि टेलीविजन पर मास्टरशेफ देखना उनकी और उनकी माताजी की एक खास दिनचर्या हुआ करती थी। बचपन में मां के साथ बैठकर इस शो को देखना उनके बीच के पारिवारिक जुड़ाव का एक मुख्य जरिया था।

ऐसे में इतने सालों बाद खुद उसी शो के तमिल संस्करण में मुख्य होस्ट बनना उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सामंथा ने कहा कि वह लंबे समय से एक ऐसे साफ-सुथरे और मनोरंजक टेलीविजन शो से जुड़ना चाहती थीं, जिसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर देख सके। यह शो उनकी इस इच्छा पर पूरी तरह खरा उतरता है। इस भव्य कुकिंग शो में सामंथा के साथ आरजे विजय भी सह-मेजबान के रूप में नजर आएंगे। प्रतिभागियों के व्यंजनों का मूल्यांकन करने और उनके स्वाद को परखने के लिए देश के जाने-माने शेफ वेंकटेश भट, शेफ शशि चेलिया और शेफ श्रेया अडका निर्णायक (जज) की भूमिका में मौजूद रहेंगे। प्रतियोगिता

में मनोरंजन जगत के 12 प्रमुख सेलिब्रिटीज अपने पाक-कला के हुनर का प्रदर्शन करते हुए दिखाई देंगे। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित इस शो का प्रसारण सोनी विझा और सोनी लिव पर किया जाएगा। यह शो सामंथा के जीवन के एक बेहद खूबसूरत और व्यक्तिगत पड़ाव के साथ भी जुड़ा हुआ है। अभिनेत्री इस समय अपने पहले बच्चे के आगमन की तैयारियों में जुटी हैं और जल्द ही मातृत्व का सुख प्राप्त करने वाली हैं। जून 2026 में सामंथा और उनके पति, प्रसिद्ध फिल्मकार राज निदिमोरु ने आधिकारिक तौर पर माता-पिता बनने की खुशखबरी साझा की थी।

पंकज त्रिपाठी-अदिति राव हैदरी की पारिवारिक मनुरंजन ओटीटी पर देगी दस्तक, 13 नवंबर को सोनी लिव पर रिलीज होगी

अभिनेता पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी पहली बार फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन में एक साथ नजर आने वाले हैं। हल्के-फुल्के हास्य और रोमांस से भरपूर इस पारिवारिक फिल्म की डिजिटल प्रसारण तारीख घोषित कर दी गई है। फिल्म का प्रीमियर 13 नवंबर 2026 को सोनी लिव पर होगा। दर्शक इसे मंच की सशुल्क सदस्यता के माध्यम से देख सकेंगे। फिल्म का टीजर कुछ दिन पहले ही सामाजिक माध्यमों पर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों के सामने एक मनोरंजक पारिवारिक कहानी की झलक के रूप में पेश किया गया है। फिल्म का निर्देशन वरुण वी. शर्मा ने किया है। इसके निर्माता विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, हिमांशु किशन मेहरा और एलिसिया जफर हैं। फिल्म के टीजर में पारिवारिक संबंधों, आपसी जुड़ाव और रोजमर्रा की जिंदगी में सामने आने वाली परिस्थितियों को हल्के-फुल्के अंदाज में दिखाया गया है। कहानी इस बात के इर्द-गिर्द बुनी गई है कि किस तरह छोटी-छोटी घटनाएं लोगों को एक-दूसरे के करीब लाती हैं और परिवार के सदस्यों के बीच रिश्तों को मजबूत बनाती हैं। निर्माताओं का प्रयास है कि दर्शकों को ऐसी मनोरंजक कहानी देखने को मिले, जिसका आनंद वे अपने परिवार और प्रियजनों के साथ उठा सकें। पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी की पहली साझा फिल्म होने के कारण इसे लेकर दर्शकों में उत्सुकता है।

तृषा कृष्णन बनेंगी जयललिता? दिग्गज अभिनेता और नेता एमजीआर की बायोपिक पर बड़ा अपडेट

तमिल फिल्मों के दिग्गज अभिनेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) की जिंदगी पर फिल्म बनने जा रही है। फिल्म का नाम पुराची थलाइवर एमजीआर रखा गया है। इसमें अभिनेत्री तृषा कृष्णन के दिवंगत नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता का किरदार निभाने की चर्चा है। अभिनेता जेएम बशीर ने खुलासा किया कि इस भूमिका के लिए तृषा से बातचीत चल रही है। हालांकि, अभी उनके नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अभिनेता जेएम बशीर ने बताया कि निर्माता तृषा के साथ जयललिता के रोल के लिए बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी की तृषा से अच्छी दोस्ती है और दोनों एक साथ फिल्म में काम भी कर रही हैं। बशीर के मुताबिक, अगर तृषा ये रोल करती हैं तो बहुत अच्छा रहेगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने भरोसा जताया कि एमजीआर पर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को बनाने में उनके सामने कोई बाधा नहीं है। बशीर ने थलापति विजय की तारीफ कर उन्हें भविष्य का संभावित प्रधानमंत्री बताया। उधर तृषा हमेशा से पर्दे पर जयललिता का किरदार निभाने को लेकर अपनी इच्छा जाहिर करती रही हैं। साल 2017 में फैंस से बातचीत

के दौरान जब उनसे कल्पना चावला, जयललिता और मर्लिन मनरो में से एक चुनने को कहा गया तो उन्होंने जयललिता को चुना था। दिलचस्प बात है कि तृषा और जयललिता दोनों ने चेन्नई के एक ही स्कूल चर्च पार्क से पढ़ाई की है। एमजीआर की इस बायोपिक में एम करुणानिधि और सीएन अन्नादुरई जैसे बड़े नेताओं के किरदार भी दिखेंगे, जिनकी कास्टिंग चल रही है। बशीर के मुताबिक ये फिल्म एमजीआर के सिनेमा से लेकर राजनीति तक के पूरे सफर को दिखाएगी। शूटिंग चेन्नई के रामापुरम में शुरू होने वाली है। हालांकि, फिल्म के निर्देशक और संगीतकार के नाम का ऐलान होना अभी बाकी है। पसुमपोन थेवर की बायोपिक के बाद बशीर का ये दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट है। थलापति विजय इस साल की शुरुआत में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म जन नायकन में नजर आए थे। ये फिल्म उनके अभिनय करियर की आखिरी फिल्म साबित हुई है, क्योंकि इसके बाद उन्होंने अभिनय से पूरी तरह ब्रेक लेकर राजनीति की दुनिया में कदम रख लिया है। दूसरी ओर तृषा मशहूर निर्देशक राज कृष्णा मेनन के निर्देशन में बनने वाली एक सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जिसकी शूटिंग तेजी से चल रही है।

सरकार पसंद नहीं तो चुनाव लड़ें नसीरुद्दीन : पुनीत इस्सर

हाल ही में राजनीतिक मुद्दों को लेकर बॉलीवुड अभिनेता नसीरुद्दीन शाह द्वारा दिए गए एक बयान के बाद मनोरंजन जगत में चर्चा गर्म हो गई है। सोशल मीडिया पर नसीरुद्दीन शाह ने एक वीडियो जारी कर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर तीखी टिप्पणी की थी। अपने बयान में उन्होंने खुद को गर्व के साथ दिमागी नक्सल करार दिया था। उन्होंने कहा था कि सरकार की विचारधारा से असहमत होने वाले आलोचकों को निशाना बनाया जाता है और उन्हें एंटी-नेशनल या टुकड़े-टुकड़े गैंग जैसे नाम दे दिए जाते हैं। उनके इस बयान के सामने आने के बाद फिल्म उद्योग के अन्य कलाकारों की ओर से प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गईं, जिसमें अभिनेता पुनीत इस्सर का रुख काफी कड़ा नजर आया। अभिनेता पुनीत इस्सर ने नसीरुद्दीन शाह के इस बयान पर अपनी स्पष्ट प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उनकी सोच पर सवाल उठाए।

पुनीत इस्सर ने कहा कि नसीरुद्दीन शाह निसंदेह उनके वरिष्ठ हैं, उन्होंने उन्हें पढ़ाया भी है और वे एक बेहतरीन दर्जे के कलाकार हैं, लेकिन जब भी वे किसी सामाजिक या राजनीतिक मुद्दे पर बात करते हैं तो उनका रुख हमेशा एकतरफा ही दिखाई देता है। पुनीत इस्सर का कहना था कि दुनिया या भारत में होने वाली कई अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं और गंभीर मुद्दों पर नसीरुद्दीन शाह पूरी तरह से मौन बने रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नसीरुद्दीन शाह की सोच वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है और वे उसी नजरिए से अपनी बातें रखते हैं।

नवजात शिशु के माता-पिता हैं तो इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

नवजात शिशु के माता-पिता के लिए यह समय बहुत खास होता है। इस दौरान कई नई जिम्मेदारियां और चुनौतियां सामने आती हैं। सही जानकारी और सावधानी बरतने से आप अपने बच्चे की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस लेख में हम कुछ अहम बातें साझा करेंगे, जो आपको और आपके नवजात शिशु को स्वस्थ और खुश रखने में मदद करेंगी। इन सुझावों का पालन करके आप अपने बच्चे की देखभाल आसानी से कर पाएंगे।

बच्चे को मां का दूध पिलाएं : नवजात शिशु के लिए मां का दूध बहुत जरूरी है। यह न केवल उन्हें पोषण देता है, बल्कि उनकी रोगों से लडऩे की क्षमता को भी मजबूत बनाता है। मां का दूध बच्चे को बीमारियों से बचाने में मदद करता है और उनका विकास भी सही तरीके से होता है। इसके अलावा यह मां और बच्चे के बीच का संबंध भी

मजबूत करता है। इसलिए जन्म के तुरंत बाद से ही बच्चे को मां का दूध पिलाना शुरू करें।

साफ-सफाई का रखें ध्यान : बच्चे की सफाई बहुत जरूरी है। उनके हाथ-पैर और चेहरे को रोजाना साफ करें। इसके अलावा उनके कपड़े, बिस्तर और खिलौने भी साफ रखें ताकि बीमारियों का खतरा कम हो सके। नवजात शिशु की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए उन्हें गुनगुने पानी से धोएं और मुलायम कपड़े का उपयोग करें। बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए उनके आसपास की जगह को साफ-सुथरा रखना जरूरी है। नियमित रूप से हाथ धोने की आदत डालें।

टीकाकरण कराएं : बच्चे को समय-समय पर टीकाकरण कराना बहुत जरूरी है ताकि वह विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित रह सके। डॉक्टर द्वारा बताए गए सभी टीकों का पूरा कोर्स पूरा कराएं। इसके अलावा डॉक्टर की सलाह पर अन्य जरूरी जांच भी करवाएं। नवजात शिशु की रोगों से लडऩे की क्षमता बहुत कमजोर होती है, इसलिए उन्हें समय पर टीकाकरण कराने से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इससे बच्चे का स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है और वह स्वस्थ रहता है।

अच्छी नींद जरूरी है : बच्चे की अच्छी नींद बहुत जरूरी होती है। उन्हें आरामदायक बिस्तर पर सोने दें और शोर-शराबे से दूर रखें ताकि वे अच्छी तरह सो सकें। नवजात शिशु को दिन में कई बार छोटी-छोटी झपकी लेने दें और रात में भी पूरी नींद दिलाने की कोशिश करें। इसके अलावा उन्हें शांत और सुरक्षित माहौल में सुलाएं ताकि वे आराम महसूस करें। नवजात शिशु की नींद उनकी सेहत के लिए बहुत जरूरी होती है।

सही खान-पान अपनाएं

बच्चे का खान-पान सही होना चाहिए ताकि वह स्वस्थ रह सके। अगर आप मां का दूध नहीं पिला पा रही हैं तो डॉक्टर की सलाह पर फार्मूला दूध दें। इसके अलावा धीरे-धीरे अन्य पोषक तत्वों जैसे फल, सब्जियां आदि शामिल करें। नवजात शिशु का खान-पान उसकी सेहत के लिए बहुत अहमियत रखता है। इन सभी बातों को अपनाकर आप अपने नवजात शिशु की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं और उसे स्वस्थ रख सकते हैं।

BRIFF NEWS

Delhi Police May Also Assign This Task to NCC Cadets

New Delhi, Agency; To curb crimes occurring in parks across the capital, the Delhi Police may soon deploy NCC Cadets as 'Park Praharis' (Park Sentinels). In a meeting held regarding park security, the Ministry of Home Affairs (MHA) has advised the police to work in this direction.

The Ministry of Home Affairs suggested that police could deploy NCC cadets for a few hours during the evening in parks. For this purpose, the police have been advised to develop an app or website where interested NCC cadets can register. The Delhi Police may also provide them with a cash reward for this service. Last month, a minor girl was gang-raped inside Aastha Kunj Park located in Amar Colony. Following this incident, major questions were raised regarding the safety and security of parks.

While police, municipal corporations, and the DDA conducted a security audit of all parks in Delhi on one hand, efforts are underway to address existing shortcomings on the other. Recently, Union Home Secretary Govind Mohan held a meeting with senior officials regarding park security.

Air in Villages Turns Toxic Too

Rural Pollution Matches Urban Levels in Several States Including Punjab and Rajasthan

New Delhi, Agency; It is commonly believed that the air in villages is cleaner compared to cities, but a new analysis has challenged this perception. In several states across the country, air pollution levels in rural areas are nearly equivalent to those in cities.

New Delhi. It is commonly believed that the air in villages is cleaner compared to cities, but a new analysis has challenged this perception. In several states across the country, air pollution levels in rural areas are nearly equivalent to those in cities.

The annual PM2.5 levels in villages across several states, including Delhi, were found to be even higher than India's stipulated national standard of 40 micrograms per cubic meter. This means the problem of air pollution is not restricted merely to big cities but extends far into rural areas.

The analysis, published in August 2026 by Manoj Kumar, lead researcher at the Centre for Research on Energy and Clean Air (CREA) in 'India Air Quality and Energy Insights', examined PM2.5 data from 2014 to 2023.

For this study, data regarding village boundaries from the Survey of India and pollution estimations from the Atmospheric Composition Analysis Group at Washington University, USA, were utilized.

Deadlines for SIR Revised Again in Delhi Opportunity to Add Names Until 25th

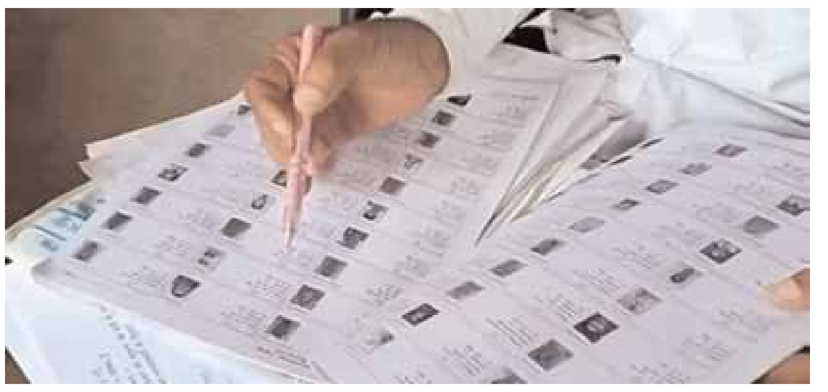

New Delhi, Agency; The Election Commission has once again revised the Special Intensive Revision (SIR) program for voter lists in Delhi, extending the deadline by another 26 days. The deadline for filing claims and objections in Delhi has been extended from October 30 to November 25. The deadline for the disposal of claims has also been extended from November 30 to December 15. The final voter list will be published on December 22.

47.56 Lakh Names Cut from Draft Voter List: Under the SIR process of the voter list in Delhi, the Election Commission has given voters an additional 25 days to register claims and objections. Despite 47.56 lakh names being dropped from Delhi's draft voter list, only 2.75 lakh people have applied so far to have their names included. Meanwhile, 21,603 objections have been registered for the removal of names.

Given that the number of applications for name inclusion is low relative to the 47.56 lakh names removed from the draft voter list, it was anticipated that the final date for claims and objections might be extended. The court had also commented on compelling voters excluded from the list to fill out Form-6 afresh. The court had asked that such voters be allowed to fill forms for corrections in address or other details. Consequently, the extension of the deadline until November 25 to file applications for claims, objections, and corrections has brought major relief to the people of Delhi.

Delhi voters can visit Booth Level Officers (BLOs) to submit forms for claims and objections or apply online. According to data from the Office of the Chief Electoral Officer (CEO) of Delhi, following the publication of the draft voter list on August 31, 2,75,856 applications for name inclusion, 21,603 applications for registering objections, and 1,03,352 applications via Form-8 for corrections in name, address, or other details in the voter list have been submitted.

Efforts for Swift Disposal: Deadlines for SIR Revised Again in Delhi, Opportunity to Add Names Until 25th

According to the Election Commission, efforts are underway to dispose of the claims and objections received up to October 30 as quickly as possible. During this period, the applications for objections and claims will be verified. Following the verification and disposal of all applications, the final voter list will be published. According to the commission, no voter's name will be allowed to be dropped. The process will be completely transparent.

Maximum Objections in South-West District: According to the CEO's office, the highest number of 3,227 objections for name removal has been registered in the South-West district. This is followed by 2,963 applications submitted in the South district, 2,588 in the North-East district, and 2,251 in the South-East district. In the New Delhi district, 580 Form-7 applications for objections were submitted.

Mahakumbh of Art to Decorate Delhi

India Biennale 2026 to Begin from December 4 in Jantar Mantar and Historic Monuments

New Delhi, Agency; Delhi's historic Jantar Mantar will now be in the news for a major event of art, architecture, and design instead of protests.

Just days after the Central Government cancelled the notification designating Jantar Mantar as a protest site, it has been decided to include it as one of the major venues for the India Biennale 2026. Organized under the vision of the Ministry of Culture, this event will begin on December 4 and run until March 21.

Wonderful Spectacle of Art to Be Seen in Delhi: During the India Biennale, exhibitions, events, and art-related experiences will be presented at about a dozen historic monuments and major cultural sites across Delhi.

These historic sites include the Red Fort, Qutub Minar, Humayun's Tomb, Agrasen ki Baoli, Hauz Khas, Lodhi Garden, Safdarjung Tomb, and Feroz Shah Kotla, among others. Institutions such as the National Museum, National Gallery of Modern Art, and Indira Gandhi National Centre for the Arts have also been associated with the event.

Nine Countries Confirm Participation in the Event: Nine countries, including France, Italy, Hungary, Switzerland, and Sri Lanka, have confirmed their participation in the event. The plan is to bring the art, architecture, and design of India along with more than 20 countries onto a single platform. The first edition of this event was held at the Red Fort in 2023.

2026 Event Being Given a Grand Format: However, its scope was limited at that time. The 2026 event is being given a much broader format. According to the organizers, for 108 days, Delhi's historic monuments, museums, art galleries, and public spaces will become part of a dialogue centered around art and culture.

Two New Corridors of Delhi Metro Will Now Be Completed Next Year

New Delhi, Agency; The construction of two prominent new corridors under Phase 4 of the Delhi Metro will now be completed only next year. The construction of the Golden Line (Tughlakabad-Aerocity) Metro Corridor has faced the maximum delay. Due to this, its construction is expected to be completed by the end of next year.

Meanwhile, only about 12% of the work remains on the Janakpuri West-RK Ashram corridor, which is an extension of the Magenta Line. Therefore, it is expected that this corridor will be completed and ready by the middle of next year.

100 Percent Work Completed Only on This Corridor: It is worth noting that construction on the three prominent corridors of Phase 4 began in 2019-20. Out of these, only the Majlis Park-Maujpur corridor has achieved 100 percent completion of construction so far. The construction of the remaining two corridors—Janakpuri West-RK Ashram and the Golden Line—was also targeted for completion by the end of this year. According to the status report on ongoing metro projects released by the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC), 87.62 percent of the work on the 29.262 km long Magenta Line Extension (Janakpuri West-RK Ashram) corridor has been completed. Incidentally, metro operations have already commenced on an 11.734 km section of this corridor.

Work is currently underway between Krishna Park Extension and Deepali Chowk, as well as between Majlis Park and RK Ashram. The section between Krishna Park Extension and Deepali Chowk is largely ready, with its work in the final stages.

Only 79% Work Completed on Golden Line: Only 79.54 percent of the work on the Golden Line has been completed so far. Construction of this metro corridor was delayed, first due to COVID-19 and later due to delays in land acquisition near Khanpur. As a result, about 20% of the work is still pending, which is why this corridor is expected to be completed by the end of next year. However, the corridor from Tughlakabad to Sangam Vihar is largely ready and constructed, and operations on this section could begin soon.

Travel on Delhi Metro Permitted Until 12 Midnight Tonight: In view of Diljit Dosanjh's Aura India Tour concert held at the Jawaharlal Nehru Stadium, metro services will run until 12 midnight on Friday. The DMRC stated that metro services will remain available until midnight across all other corridors of the Delhi Metro, excluding the Airport Express Line and Gurugram's Rapid Metro, so that spectators attending the concert can easily return home after the event concludes. The Jawaharlal Nehru Stadium metro station is also located on the Violet Line, making it easy to reach the venue via the metro. The DMRC stated that additional trains will be operated across the entire network after the event ends.

Chhath Puja to Be Celebrated at 24 Model Ghats Along the Yamuna; Arrangements Ranging from CCTV to Changing Rooms

New Delhi, Agency: Preparations for Chhath Puja have begun in trans-Yamuna areas. Temporary ghats will be constructed along the Yamuna banks and in residential areas this time as well.

Over 300 ghats will be set up in the trans-Yamuna region. 24 ghats will be built along the banks of the Yamuna, all of which will be model ghats. CCTV cameras will be installed at these ghats by the government. District administration officials will hold a meeting with Chhath committees next week.

North-East District DM Ajay Kumar stated that Chhath Puja along the Yamuna banks had been prohibited. Worship along the Yamuna banks resumed last year. Most people from Purvanchal reside in trans-Yamuna. The highest crowd density during Chhath is witnessed in trans-Yamuna itself.

24 Ghats to Be Built Along Yamuna: 24 ghats are being constructed along the Yamuna banks. Cultural programs will be organized by the government at these ghats. Alongside the construction of entrance gates, facilities such as changing rooms, toilets, and lighting will be in place. The corporation and the Irrigation and Flood Control Department have been instructed to ensure that the paths taken by devotees are leveled and free of stones.

Watch This Video Too: Additionally, the mobile toilets installed by the Delhi Urban Shelter Improvement Board must maintain proper sanitation arrangements. A model ghat will also be established in every assembly constituency. The administration will make efforts to prevent overcrowding at a single location.

Amod, SDM of Vishwas Nagar, stated that coordination will be maintained across all departments. A meeting with the Delhi Police, Jal Board, Irrigation Department, and other officials will take place in a few days to finalize the locations of the ghats. Delhi Jal Board will fill water in the temporary ghats.

Criminal Associated with Himanshu Bhau and Kala Asaudia Gang Arrested by Delhi Police

Wanted in Two Cases of Murder and Dacoity

New Delhi, Agency; The Special Staff team of the South District Police has arrested a criminal associated with the Himanshu Bhau and Kala Asaudia gang. The criminal has been identified as 30-year-old Manish, alias Ajay, alias Bhola, a resident of Jhajjar, Haryana. He had been absconding in two cases of murder and dacoity and was declared a proclaimed offender by the court. Police have recovered a pistol and five cartridges from his possession.

One Pistol and Five Cartridges Recovered: According to Anant Mittal, Deputy Commissioner of Police (DCP) South District, the Special Staff received information on the night of October 27 that a criminal carrying illegal weapons was coming near Neem Karoli, Mandi Road, located in Jaunapur.

Based on the tip-off, the police team apprehended the criminal. During a search, a pistol and five cartridges were recovered from his possession.

2019 Dacoity Case Included: According to the police, five criminal cases are already registered against the criminal Manish, alias Ajay, alias Bhola. These include a 2025 murder case registered at the Mundka police station and a 2019 dacoity case.

The court had declared him a proclaimed offender in both these cases. Additionally, cases are also registered against him at the Hari Nagar, Mundka, and Ballabgarh Sadar police stations. Currently, the police are identifying his other associates and investigating his involvement in other criminal incidents.

Delhi Police's Major Campaign Against Crackers 1,073 Kg Crackers Seized, 10 Cases Registered

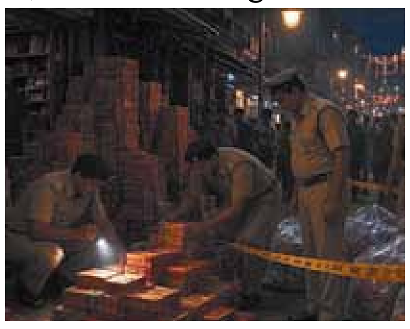

New Delhi, Agency; In view of the upcoming festive season, the North District of Delhi Police has intensified its crackdown against the illegal sale, storage, and possession of firecrackers. Keeping public safety in mind, the police conducted a special campaign and seized a total of 1,073.426 kilograms of firecrackers from various areas of the district, registering 10 FIRs.

Police Appeal: Niharika Bhatt, IPS, Deputy Commissioner of Police (DCP) for the North District, stated that the illegal storage and unsafe handling of firecrackers in crowded markets and residential areas can prove extremely dangerous. This poses a serious risk of fire outbreaks and loss of life and property. The objective of the police is to enforce rules strictly and ensure the safety of citizens.

NDMC to Develop Four Colonies in Delhi as Anupam Colonies

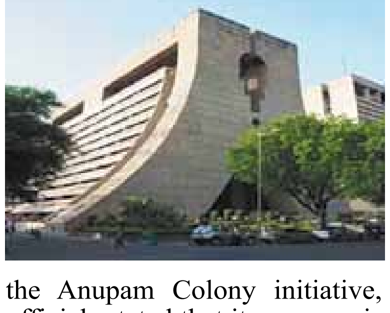

New Delhi, Agency; The NDMC (New Delhi Municipal Council) has selected four residential colonies to be developed as 'Anupam Colonies' by December 10. During this period, emphasis will be placed on segregating waste into four categories, local processing of waste, and ensuring greater participation of residents. Officials shared this information on Thursday, stating that the selected colonies include the Central Government Employees Residential Complex on CGO Road, West Kidwai Nagar, Sarojini Vihar, and Chanakya Rail Enclave in Chanakyapuri.

Explaining the objective of the Anupam Colony initiative, officials stated that its purpose is to process separated wet and horticultural waste right within the residential complexes itself, eliminating the need to transport it to distant processing centers.

Notices Had to Be Issued to 10 Households: An awareness campaign was conducted within the residential complex. During inspections, it was found that 10 households were handing over unsegregated (mixed) waste. Following this, notices were issued to all these 10 households, instructing them to comply with waste segregation rules.

Residents Asked to Segregate Waste into Four Categories: Officials stated that there are 135 flats in this complex, out of which 75 are currently occupied. Residents have been asked to segregate waste into four categories—wet waste, dry waste, sanitary waste, and hazardous/special care waste—before handing it over to garbage collectors.